कोटद्वार,गुरूवार
18 जनवरी 2024
वर्ष: 45
अंक: 256 पृष्ठ: 4
मूल्य: 2.00
RNI-35469/79

जयन्त

निर्भीक - निष्पक्ष - जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com

स्थापित 1979

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2021-23 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

योगी आदित्यनाथ का बड़ा खुलासा, बोले- राम मंदिर आंदोलन की वजह से हूं संन्यासी

लखनऊ, एजेंसी। राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का श्रेय लेने के प्रयास के विपक्षी दलों के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राम मंदिर आंदोलन की वजह से वह सन्यासी हैं और मंदिर में जो भी सेवक बन कर आएगा, उसका स्वागत किया जाएगा। एक टीवी चैनल के कॉन्क्लेव को संबोधित करते हुए योगी ने बुधवार को कहा "हम श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह का श्रेय नहीं ले रहे हैं। हम तो वहां सेवक बनकर जा रहे हैं। मंदिर का आमंत्रण कांग्रेस, समाजवादी पार्टी समेत सबको मिला है। उन्हें राम मंदिर में आने से किसी ने रोका नहीं है। वो राम के सेवक बनकर आएं, जो राम का सेवक बनकर आएगा, उसका स्वागत है। राम मंदिर आंदोलन में हम सब बहुत पहले से जुड़े हैं। सच तो यह है कि राम मंदिर आंदोलन की वजह से मैं संन्यासी हूं।"

उन्होंने कहा कि उनका सौभाग्य है कि उनके पूज्य गुरुदेव राम मंदिर के आंदोलन के अग्रिम पंक्ति के योद्धाओं में से एक थे। उस कालखंड में भी उनके मन में इस आंदोलन का नेतृत्व था और गोरखपीठ उनके साथ थी। उनके गुरु, आरएसएस, विश्व हिंदू परिषद के नेतृत्व में ये आंदोलन आगे बढ़ा था। अब रामलला प्रकट हो रहे हैं, इससे ज्यादा उत्साह की बात और क्या हो सकती है।

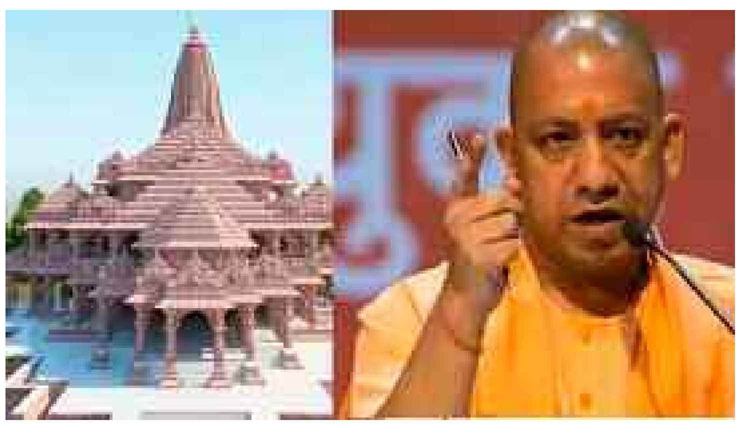

योगी ने कहा " हम लोग रामभक्त और राम के सेवक के रूप में मंदिर में मौजूद रहेंगे। हमें सौभाग्य मिला है कि हम रामकाज में सहभागी बन गए हैं। जिस काम को दर्जनों पीढ़ियां नहीं देख पाईं, वो समय 500 साल बाद आया है। राम मंदिर के लिए तीन लाख से ज्यादा लोग शहीद हुए और 76 से ज्यादा बार संघर्ष हुआ। राम मंदिर आंदोलन से जुड़े लोग गोरखपीठ आते रहते थे। आज परिणाम के रूप में राम मंदिर सबके सामने है। मेरे गुरु और दादा गुरु इस आंदोलन में शामिल रहे। अब मैं इस ऐतिहासिक क्षण का गवाह बनूंगा, ये मेरा सौभाग्य है।"

उन्होंने कहा कि एक बार फिर रामलला और राम राज्य की अवधारणा सिद्ध हो रही है। राम मंदिर का काम कठिन था। लेकिन ये प्रभु की पहले से रची हुई कृपा है। हम सब उस अभियान के हिस्से हैं। अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण कार्य असंभव था अगर केंद्र में मोदी सरकार नहीं होती। अब पूरे देश को रामलला के दर्शन करने के लिए मिलेंगे। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी और अन्य पार्टियों के चरित्र को जनता जानती है। योगी ने कहा कि अगर वह सीएम नहीं होते तो भी राम मंदिर आंदोलन में जुड़े होते और सबसे पीछे की कुर्सी पर बैठकर भी गौरवान्वित होते। ये समय श्रेय लेने का नहीं है। राम तो परम पिता परमेश्वर हैं।

मुख्यमंत्री को मिलने वाले उपहारों की होगी नीलामी

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विभिन्न कार्यक्रमों में उन्हें मिलने वाले उपहारों को लेकर नवीन पहल की है। मुख्यमंत्री ने सचिव विनय शंकर पांडेय को निर्देश दिए हैं कि कार्यक्रमों में उन्हें जो विभिन्न प्रकार के उपहार मिलते हैं, उनके मूल्य का आकलन कर उनकी नीलामी की जाए और इससे मिलने वाली रकम को जनहित के कार्यों में इस्तेमाल किया जाए। कोई सामान्य व्यक्ति भी नीलामी प्रक्रिया में भाग ले सकता है।मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अभी हाल ही में लोगों से अपील की थी कि किसी समारोह में अतिथियों को बुके की जगह बुक देने की परंपरा शुरू करनी चाहिए। इससे भावी पीढ़ी में ज्ञान का भंडार बढ़ेगा व दिमाग का भी पोषण होगा। पौधा भेंट करना भी बुके का विकल्प हो सकता है। अब, इसी क्रम में मुख्यमंत्री ने एक और नवीन एवं अभिनव पहल की है। दरअसल, मुख्यमंत्री उत्तराखंड या उत्तराखंड से बाहर कार्यक्रमों में शिरकत करते हैं तो लोग तमाम उपहार उन्हें भेंट करते हैं। शॉल से लेकर पेंटिंग, विभिन्न प्रकार की आकृतियां उन्हें भेंट की जाती हैं। अब मुख्यमंत्री ने इसे लेकर अपने सचिव विनय शंकर पांडेय को निर्देशित किया है कि उन्हें जो भी उपहार कार्यक्रमों में मिलते हैं उनके मूल्य की गणना कर इनकी नीलामी की जाए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए हैं कि इस नीलामी से प्राप्त होने वाली धनराशि का इस्तेमाल जनहित के विभिन्न कार्यों में इस्तेमाल किया जाए।

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के अनुष्ठान शुरू, पीएम नहीं, राममंदिर के ट्रस्टी अनिल मिश्रा ने की पूजा

अयोध्या, एजेंसी। राम मंदिर में विराजित होने वाली रामलला की नई प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा से जुड़े अनुष्ठान मंगलवार शुरू हो गए, जो 21 जनवरी तक चलेंगे। मंगलवार दोपहर एक बजे से भगवान रामलला की मूर्ति के निर्माण स्थल पर कर्मकुटी पूजा हुई। इसके बाद यजमान और श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के ट्रस्टी डा. अनिल मिश्र ने सरयू में पूजन किया। इससे पहले राम जन्मभूमि परिसर में साफ सफाई की गई। राम मंदिर को भी सरयू जल से धोया गया। गौरतलब है कि अयोध्या में 22 जनवरी को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर खबरें थीं कि पीएम नरेंद्र मोदी इस कार्यक्रम में मुख्य यजमान हो सकते हैं, लेकिन प्राण प्रतिष्ठा का मुहूर्त निकालने वाले पंडित गणेश्वर शास्त्री द्रविड़, राममंदिर में प्राण

प्रतिष्ठा कराने वाले पंडित लक्ष्मीकांत दीक्षित और रामानंद संप्रदाय के श्रीमठ ट्रस्ट के महामंत्री स्वामी रामविनय दास ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी मुख्य यजमान नहीं हैं।

इन तीनों ने कहा कि श्रीराम जन्मभूमि ट्रस्ट के सदस्य डा. अनिल मिश्रा और उनकी पत्नी मुख्य यजमान होंगी। ये दोनों ही संकल्प, प्रायश्चित और गणेश पूजा कर सात दिवसीय अनुष्ठान की यजमानी कर रहे हैं।

वेडिंग डेस्टिनेशन स्थलों तक मजबूत किया जाए रोड नेटवर्कः महाराज

देहरादून(एजेंसी)। चार धाम यात्रा 2024 की तैयारियों की समीक्षा करते हुए पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने सड़कों की स्थिति को ठीक करने के निर्देश दिए। चार धाम यात्रा रुट के साथ ही वेडिंग डेस्टिनेशन वाले स्थानों तक भी रोड नेटवर्क को मजबूत किए जाने के निर्देश दिए। मुख्य सड़कों के साथ ही वैकल्पिक सड़कों का भी बेहतर इंतजाम किए जाने पर जोर दिया।

सचिवालय में हुई समीक्षा बैठक में महाराज ने कहा कि चारधाम यात्रा शुरू होने से पहले ही सभी मुख्य सड़कों के साथ ही वैकल्पिक सड़कों को भी चाकचौबंद कर दिया जाए। कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन के अनुरूप उत्तराखंड को वेडिंग डेस्टिनेशन के रूप में विकसित किया जाना है। इसके लिए वेडिंग डेस्टिनेशन स्थलों तक पर्यटकों और यात्रियों के पहुंचने को सड़कों का उचित प्रबंध किया जाए।

महाराज ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि चारधाम यात्रा की सभी तैयारियों को समय से पूरा किया जाए। वह स्वयं भी व्यक्तिगत रूप से यात्रा मार्गों की व्यवस्थाओं का जायजा लेंगे। चार धाम यात्रा के दौरान तोता घाटी के पास होने वाले भूस्खलन को देखते हुए श्रीनगर के पास यात्रियों को मार्ग अवरुद्ध होने की जानकारी देने के जरूरी उपाय किए जाएं।

डंपिंग जोनों का समतलीकरण कर ऐसे स्थानों को पार्किंग के रूप में उपयोग किए जाने के निर्देश दिए। आरटीओ को सभी सड़कों का मौका मुआयना करने के निर्देश दिए। पर्यटकों और यात्रियों की समस्याओं को सुनने और उसके त्वरित समाधान को पर्यटन पुलिस को दक्ष करने पर जोर दिया। उनकी एक ड्रेस भी निर्धारित करने को कहा। चारधाम यात्रा के दौरान घोड़े खच्चरों को दी जाने वाली प्रताड़ना अंकुश लगाने के निर्देश दिए। बैठक में बद्रीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति के अध्यक्ष अजेंद्र अजय, सचिव पंकज पांडेय, अपर सचिव युगल किशोर पंत, रिद्धिम अग्रवाल, बीडी सिंह, अनिल ध्यानी, विप्रा त्रिवेदी, आरपी सकलानी, अरविन्द पाण्डेय, दीपक कुमार यादव, पीके शर्मा, दयानंद आदि मौजूद रहे।

उत्तराखण्ड को एक कोल ब्लॉक आवंटन किया जाय

सीएम धामी ने केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जोशी से की भेंट

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नई दिल्ली में केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री प्रल्हाद जोशी से भेंट की। मुख्यमंत्री ने न्यूनतम 1000 मेगावाट के पिट-हेड थर्मल पावर प्लांट स्थापित किये जाने के लिए उत्तराखण्ड राज्य को लगभग 125 मिलियन टन भण्डारण क्षमता की एक कोल ब्लॉक का आवंटन प्राथमिकता पर करने का अनुरोध किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अनुकूल औद्योगिक नीति के कारण राज्य में द्रुत गति से औद्योगिक विकास हुआ है, जिसके फलस्वरूप विद्युत की मांग में निरन्तर वृद्धि हुई है। सर्दियों के मौसम में बिजली की कमी गंभीर हो जाती है, क्योंकि ठंडे तापमान के कारण नदियों में पानी का बहाव कम हो जाता है। राज्य में बिजली की मांग प्रतिवर्ष लगभग 4 से 5 प्रतिशत की दर से बढ़ रही है और लीन सीजन की अवधि में प्रतिदिन लगभग 4 से 5 मि.यू. की औसत कमी होती है। औद्योगिकीरण बढ़ने के कारण आने वाले वर्षों में विद्युत की मांग और बढ़ने की सम्भावना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऊर्जा मंत्रालय के द्वारा की गई संस्तुति के दृष्टिगत राज्य में विद्युत परियोजनाओं के तेज गति से विकास किये जाने के लिए यूजेवीएन लि० (राज्य सरकार का उपक्रम) और टीएचडीसी इण्डिया लि० के बीच एक संयुक्त उपक्रम (टीएचडीसीआईएल-यूजेवीएनएल एनर्जी कम्पनी लि०) का गठन किया गया है। टीएचडीसी इण्डिया लि० की तापीय विद्युत उत्पादन के क्षेत्र में भी अनुभव को ध्यान में रखते हुए राज्य की विद्युत मांग की आपूर्ति हेतु इस नए संयुक्त उपक्रम के माध्यम से एक पिट-हेड थर्मल पावर प्लांट स्थापित किया जाना प्रस्तावित है। उत्तराखण्ड राज्य उन कुछ राज्य में से एक है जहां कोई भी थर्मल पावर स्टेशन संचालित नहीं है। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री से उत्तराखण्ड राज्य को एक कोल ब्लॉक का आवंटन प्राथमिकता पर करने का अनुरोध किया। केंद्रीय मंत्री ने यथासंभव सहयोग के प्रति आश्वस्त किया।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नई दिल्ली में केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री प्रल्हाद जोशी से वार्ता करते हुए।

धार्मिक यात्राओं, शोभा यात्रा और जुलूस की अनुमति हेतु अब लंबी प्रक्रिया से होगा गुजरना

देहरादून। आमतौर पर धार्मिक यात्रा, शोभायात्रा और जुलूस की वजह से कई बार जाम की स्थिति देखने को मिलती है। जिसके कारण शहरवासियों को परेशानी का सामना करना पड़ता है, लेकिन अब धार्मिक यात्राओं, शोभा यात्रा और जुलूस की अनुमति लेने के लिए अब लंबी प्रक्रिया से गुजरना होगा। एसपी ट्रैफिक और सिटी के अलावा अब एसएसपी ऑफिस से भी अनुमति लेनी होगी। ऐसे में रिपोर्ट लगाने के बाद ही अनुमति मिल पाएगी। साथ ही पीक ऑवर में किसी भी आयोजन की अनुमति नहीं दी जाएगी। इसके अलावा मुख्य मार्गों पर अनुमति भी नहीं दी जाएगी।

इस वजह से लेना पड़ा निर्णयः बता दें कि सोमवार को भी एक धार्मिक शोभायात्रा का आयोजन किया गया था। आयोजन करीब तीन घंटे बाद शुरू हुआ था और उसके समापन में रात के आठ बज गए। जिसके कारण शहर के कई मार्गों पर जाम की स्थिति देखने को मिली। आयोजन की अनुमति को चेक किया गया तो नगर कीर्तन निकालने के लिए दोपहर साढ़े 12 बजे से 2: 30 बजे के बीच की अनुमति दी गई थी, जिसका शपथ पत्र भी आयोजकों ने दिया था, लेकिन आयोजकों ने शोभायात्रा शाम करीब 3 बजे शुरू की, जो आढ़त बाजार गुरुद्वारे तक रात 8 बजे पहुंची. जिसके बाद एसएसपी अजय सिंह ने यह निर्देश जारी किए हैं देहरादून एसएसपी अजय सिंह ने बताया कि अब तक इस तरह के आयोजन में एसपी ट्रैफिक और एसपी सिटी की रिपोर्ट पर सिटी मजिस्ट्रेट कार्यालय से आयोजन की अनुमति जारी होती थी, लेकिन अब इस तरह के आयोजन की अनुमति देने से पहले मामले में एसएसपी कार्यालय से भी स्वीकृति लेनी पड़ेगी।

सांसद डॉ. निशंक ने लगाया झाड़ू

देहरादून। जिला पंचायत की ओर से देहरादून–डोईवाला मार्ग पर कुआंवाला से मणिमाई मंदिर तक स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान में हरिद्वार सांसद डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक भी शामिल हुए। उन्होंने खुद झाड़ू लगाकर सफाई की। अभियान के दौरान भारी मात्रा में कूड़ा करकट के साथ पॉलीथिन एकत्र कर उसका निस्तारण किया गया।

उत्तराखंड विधानसभा का विशेष सत्र जनवरी माह के अंत में होने की संभावना

देहरादून। उत्तराखंड विधानसभा का विशेष सत्र जनवरी महीने में अंत में होने की संभावना है। संभावना जताई जा रही है कि पूर्ण बजट से पहले यानी इसी महीने के अंत में विशेष सत्र बुलाया जा सकता है। संभावित इस विशेष सत्र में दो महत्वपूर्ण विधेयक सदन में पारित किये जा सकते हैं। विशेष सत्र आहूत किए जाने के सवाल पर संसदीय कार्य मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने कहा जल्द ही विशेष सत्र बुलाया जाएगा। जिसमें यूसीसी और राज्य आंदोलनकारियों के 10 फीसदी क्षैतिज आरक्षण संबंधी विधेयक पारित किए जाएंगे। दरअसल, यूनिफॉर्म सिविल कोड को लेकर लंबे समय से जद्दोजहद चल रही है। साथ ही इसे लेकर राज्य सरकार भी गंभीर नजर आ रही है। यही वजह है कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राज्य की कमान संभालने के बाद ही यूनिफॉर्म सिविल कोड का मसौदा तैयार करने के लिए विशेषज्ञ समिति का गठन किया था। गठित कमेटी ने यूसीसी का मौसौदा भी तैयार कर लिया है। जिसे कमेटी जल्द ही सरकार को सौंप सकती है। ऐसे में संभावना जताई जा रही है कि अगले महीने बजट सत्र होना है उससे पहले इसी महीने अंत में विशेष सत्र आयोजित होने की संभावना है।

विहिप की प्रेरणा से आवश्यक दवाइयों की खेप अयोध्या भेजी गई

हरिद्वार। श्रीराम जन्मभूमि अयोध्या में पुर्नस्थापित राम मंदिर में भगवान रामलला का प्राण प्रतिष्ठा समारोह आगामी 22 जनवरी को होने वाला हैं। संपूर्ण देश में भगवान राम के दिव्य दर्शनों के प्रति अभूतपूर्व उत्साह देखने को मिल रहा हैं। अयोध्या में रामभक्तों को चिकित्सीय सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए दो अस्थाई हस्पताल स्थापित किए गए हैं। हरिद्वार के सिडकुल की प्रतिष्ठित दवा निर्मात्री कंपनी एकम्स ड्रग्स ने अपने सामाजिक दायित्व के अंतर्गत विश्व हिन्दू परिषद के प्रान्त संगठन मंत्री अजय कुमार की प्रेरणा से आवश्यक दवाइयों की एक बड़ी खेप को अयोध्या के लिए रवाना किया।

दवाइयों की खेप को एकम्स ग्रुप की को–चैयरमैन अर्चना जैन के साथ अजय कुमार ने संयुक्त रुप से भगवा ध्वज लहरा कर रवाना किया, इस अवसर पर अर्चना जैन ने बताया कि एकम्स ने "मानव सेवा ही माधव सेवा" को आत्मसात कर सेवा प्रकल्पो तथा कार्यों में सदैव ही अग्रणी भूमिका निभाई है, एकम्स ने जरूरतमंदों की हरसंभव सेवा का संकल्प लिया हुआ है।

इस अवसर पर बजरंग दल उत्तराखण्ड के प्रान्त संयोजक अनुज वालिया के साथ एकम्स ड्रग्स के सीनियर स्टाफ अधिकारी उपस्थित रहें।

संक्षिप्त समाचार

अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन को अयोध्या से बुलावा

देहरादून। अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन की प्रदेश अध्यक्ष रमा गोयल ने संस्था की राष्ट्रीय अध्यक्ष शारदा लखोटिया को श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा व रामलला मूर्ति स्थापना कार्यक्रम में शामिल होने का निमंत्रण पत्र मिलने पर खुशी जताई है। रमा गोयल ने बताया कि संस्था को यह सम्मान मिलना गौरव की बात है। संस्था के सभी सदस्यों ने मिलकर श्रीराम मंदिर निर्माण के लिए 32 लाख रुपये का सहयोग किया है। आमंत्रण मिलने पर उन्होंने श्रीराम मंदिर प्रबंधन समिति का आभार जताया है। अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन इस अवसर पर 19 जनवरी को दून में राम भजन संध्या का आयोजन कर रहीं है। राम भजन संध्या की संयोजक देहरादून शाखा अध्यक्ष सिंधु गुप्ता हैं।

जिस जगह आवाज होती कम, उस जगह साहित्य बोते है हम..

देहरादून। धरातल संस्था की ओर से जनकवि डॉ. अतुल शर्मा के वाणी विहार स्थित आवास में गुरु गोविंद सिंह महाराज के प्रकाश पर्व पर कवि गोष्ठी का आयोजन हुआ। जिसमें डॉ. अतुल शर्मा ने अपने नवनिर्मित निवास धरोहर पर गोष्ठी की शुरुआत जन गीत से की। जिस जगह आवाज होती कम उस जगह साहित्य बोते हम, जिस जगह पानी बहुत हो कम और पानीदार होते हम..। कवि पवन रावत ने स्वाधीनता संग्राम सेनानी कवि श्रीराम शर्मा प्रेम की वह कविता सुनाई जो गुरु गोविंद सिंह जी के विषय में थी। गुरु गोविंद के बच्चे, उमर मे थे अगर कच्चे, मगर थे सिंह के बच्चे, धर्म इमान के पक्के..। कवयित्री रंजना शर्मा ने कविता पढी कोशिशें तो सदा आसमां की करें, बात जब भी करें तो ज़मी की करें.., डॉ. राकेश बलूनी ने गीत ओ उठते धुएं किस चूल्हे के हो..,शायर शादाब अली ने गज़ल सुनाई।

एसएसपी ने किया हाथीबड़कला चौकी के नए भवन का शुभारंभ

देहरादून। हाथीबड़कला चौकी के नव निर्मित भवन का बुधवार को एसएसपी अजय सिंह ने शुभारंभ किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि शहर के वीवीआईपी रूट पर इस चौकी नए भवन से पुलिस को काफी सुविधा होगी।

कहा कि स्थानीय लोगों को सुविधा मिलेगी। साथ ही पुलिस कर्मियों को भी कार्य करने और रहने में बेहतर सुविधा होगी। चौकी के निर्माण में सर्वे ऑफ इंडिया और केंद्रीय लोनिवि अधिकारियों की तरफ से दिए गए सहयोग पर आभार जताया।

मुख्य सचिव ने की उत्तराखण्ड लैण्डस्लाईड मिटिगेशन एण्ड मैनेजमेंट सेंटर के अगले 5 सालों की कार्ययोजना पर सेंटर के अधिकारियों संग चर्चा

देहरादून। मुख्य सचिव डॉ. एस.एस. संधु ने सचिवालय में उत्तराखण्ड लैण्डस्लाईड मिटिगेशन एण्ड मैनेजमेंट सेंटर के अगले 5 सालों की कार्ययोजना पर सेंटर के अधिकारियों के साथ चर्चा की। मुख्य सचिव ने कहा कि हिमालय विश्व के सबसे नए एवं ऊंचे पर्वतों में से एक है और भूस्खलन की दृष्टि से हिमालय के सबसे संवेदनशील क्षेत्रों में उत्तराखण्ड शामिल है। ऐसे में उत्तराखण्ड में भूस्खलन से संबंधित शोध, अध्ययन के साथ ही उपचार के लिए एक डेडीकेटेड सेंटर बनाया गया है। अब इसे विश्वस्तरीय बनाने के लिए हम सब को मिलकर कार्य करना है ताकि प्रदेश के साथ ही देश और अन्य देशों, जो कि भूस्खलन जैसी आपदा से ग्रस्त हैं, उनको तकनीकी सहायता उपलब्ध कराई जा सके।

मुख्य सचिव ने कहा कि इस प्रकार के कार्यों से जुड़े विश्व के अन्य संस्थानों के साथ सहभागिता कर के अपनी–अपनी तकनीक और शोध डाटा का आदान–प्रदान कर भूस्खलन न्यूनीकरण और प्रबंधन की दिशा में तेजी से कार्य किया जाए। उन्होंने कहा कि भूस्खलन की शिक्षा और शोध कार्यों से जुड़े संस्थानों के छात्रों को अपने संस्थान में इन्टर्नशिप का प्राविधान रखा जाए। उन्होंने सेंटर द्वारा किए गए अध्ययनों का डाटा पोर्टल के माध्यम से ज्यादा से ज्यादा ओपन सोर्स में रखे जाने के निर्देश दिए, ताकि कोई भी इससे अपनी आवश्यकता के अनुसार जानकारी प्राप्त कर सके। उन्होंने कहा कि वानिकी अनुसंधान संस्थान (एफआरआई), वन विभाग और यूएलएमएमसी के मध्य आपसी सहयोग के लिए एमओयू साइन किया जाए ताकि एफआरआई के सहयोग से ऐसे पौधों की प्रजातियों के उगाने में सहयोग लिया जा सके, जो भूस्खलन रोकने में सक्षम हैं।

मुख्य सचिव ने कहा कि विश्व के टॉप लेवल के ऐसे संस्थान जो पहले से इस दिशा में कार्य कर रहे हैं, उनके साथ शीघ्र से शीघ्र एमओयू किए जाएं। जो संस्थान ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकते हैं उनके साथ प्राथमिकता के आधार पर सहयोग लिया जाए। उन्होंने यूएलएमएमसी द्वारा किए गए सभी अध्ययनों के द्वारा एक डिजीटल मैप तैयार किया जाए, ताकि आवश्यकता पड़ने पर किसी भी विभाग को इसमें से किसी भी प्रकार की जानकारी हासिल करनी हो एक क्लिक में वो जानकारी हासिल की जा सके। उन्होंने कहा कि अगले 5 सालों की योजना के प्रत्येक एक्टिविटी की टाईमलाईन निर्धारित कर तय समय में कार्य पूर्ण कराना सुनिश्चित किया जाए।

श्री गुरू गोबिंद सिंह जी ने राष्ट्र प्रथम का दिया संदेशः स्वामी चिदानन्द सरस्वती

ऋषिकेश। परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने सिख धर्म के 10 वें गुरू श्री गुरू गोबिंद सिंह जी के प्रकाश पर्व पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुये कहा कि गुरू गोबिंद सिंह जी ने प्रेम और ज्ञान, सदाचारी एवं सत्यनिष्ठ और राष्ट्र प्रथम का संदेश दिया। उन्होंने अपने पूरे परिवार को अपने राष्ट्र पर न्यौछावर कर दिया।

स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने कहा कि श्री गुरू नानक देव जी से लेकर दसवें गुरू, श्री गुरूगोबिंद सिंह जी ने जीवन के बड़े ही प्यारे मंत्र दिये। ह्ह्हनाम जपना, हमेशा ईश्वर का सुमिरन करना, प्रभु का नाम बाहर, भीतर हमेशा चलता रहें, कथायें हो, कीर्तन हो, नाम स्मरण हो ये सब बातें मन को शुद्ध करने के लिये है ताकि मन का मैल मिटे तथा जीवन में सत्य, प्रेम और करूणा का विकास हो। किरत करना और ईमानदारी से आजीविका अर्जित करना। दूसरों के साथ अपनी कमाई साझा करना, जरूरत मंदों को दान देना एवं उनकी देखभाल करना और जीवन में पुरूषार्थ करना, वंड छकना, अर्थात मिलबांट कर खाओ, यह सब मूल्यवान गुण है, यह जब जीवन में आते हैं तभी जीवन सार्थक है, वास्तव में यही जीवन जीने व सेवा करने का माध्यम है। ईमानदारी से जीवन जीना, अपराध से दूर रहना और प्रकृति के अनुरूप जीना यही सच्चा धर्म है। गुरू ग्रंथ साहिब में लिखा है कि ह्ह्हपवन गुरू, पाणी पिता, माता धरति महतह्ह्ह अर्थात् हवा को गुरू, पानी को पिता और धरती को माता का दर्जा दिया गया है।

श्री गुरू गोबिन्द सिंह ने सिखों के पवित्र ग्रन्थ गुरु ग्रंथ साहिब को गुरु रूप में सुशोभित किया। आज्ञा भई अकाल की, तभी चलायो पंथ, सब सिखन को हुक्म है, गुरू मानियो ग्रंथ। गुरूगोबिंद सिंह जी ने राष्ट्रधर्म की रक्षा के लिए, अपने पूरे परिवार का बलिदान कर दिया। उन्होंने प्रेम, एकता, भाईचारे का संदेश देते हुये कहा कि सहनशीलता, मधुरता और सौम्यता हमारे व्यक्तित्व के प्रमुख गुण होने चाहिये।

स्वच्छता अभियान चलाया

देहरादून। माननीय मुख्यमंत्री जी 14 जनवरी से 22 जनवरी 2024 तक प्रदेशभर में भव्य आयोजन करते हुए सांस्कृतिक उत्सव मनाये जाने तथा सार्वजनिक स्थलों पर कार्यक्रम के साथ ही सफाई व्यवस्था बनाए रखने हेतु दिए गए निर्देशों के क्रम में प्रशासक/ जिलाधिकारी सोनिका द्वारा नगर निगम क्षेत्र में सार्वजनिक स्थलों पर सफाई व्यवस्था हेतु निरीक्षकों की ड्यूटी लगाई गई है। साथ ही सम्पूर्ण जनपद के सार्वजनिक स्थलों, धार्मिक स्थलों पर स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए गए है। मुख्यमंत्री जी के निर्देशों के क्रम में वृद्धाश्रमों, नारी निकेतन, कुष्ठाश्रम, अनाथालयों, अस्पतालों में भी सांस्कृतिक उत्सव के तहत कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है। नगर निगम द्वारा क्षेत्र के माननीय विधायकगण, पार्षद, समाजसेवियों के साथ मिलकर स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। अभी तक सार्वजनिक स्थलों सहित 23 धार्मिक स्थल परिसरों में सांस्कृतिक उत्सव के तहत स्वच्छता अभियान चलाया गया। सांस्कृतिक उत्सव के दृष्टिगत रखते हुए प्रशासक/जिलाधिकारी द्वारा नगर निगम क्षेत्रान्तर्गत सार्वजनिक/धार्मिक स्थलों पर सफाई अभियान हेतु सफाई निरीक्षक महिपाल, राजेश पंवार, राजेश बहुगुणा, पुष्पा रौथाण, भुपेन्द्र पंवार की ड्यूटी लगाई गयी है।

बैकलॉग के पदों पर विशेष भर्ती अभियान चलाया जाय

पौड़ी : प्रशिक्षित बेरोजगार डिप्लोमा फार्मासिस्ट बैकलॉग संगठन ने सरकार से जल्द विशेष भर्ती अभियान के माध्यम से बैकलॉग के अनुसूचित जाति के 37 पदों को भरने की मांग की है। संगठन ने प्रशिक्षित एलोपैथ फार्मासिस्टों के बैकलॉग के तहत अनुसूचित जाति के 37 पदों को श्रेणी परिवर्तन कर रोस्टर क्रमांक में रखकर सरकार द्वारा खत्म किए जाने का आरोप लगाया है।

संगठन के प्रदेश अध्यक्ष दिनेश शाह ने कहा कि अनुसूचित जाति आयोग व कोर्ट के आदेशों को दर किनार करते हुए पदों के साथ रोस्टर परिवर्तन कर सरकार द्वारा छेड़छाड़ की गई है। बताया कि राज्य निर्माण से पूर्व उत्तर प्रदेश में व राज्य गठन के समय सामान्य श्रेणी से चयनित फार्मासिस्टों की श्रेणी परिवर्तन कर सरकार द्वारा उन्हें अनुसूचित जाति के रोस्टर क्रमांक में रखकर बैकलॉग के अनुसूचित जाति के इन 37 पदों को खत्म करने का काम किया जा रहा है। बताया कि इसमें एक भी पद सरकार द्वारा सीधी भर्ती से नहीं भरा गया है। दिनेश शाह ने कहा कि एक ओर सरकार अनुसूचित जाति के सम्मेलनों का आयोजन कर उनसे सहानुभूति बटोर रही है, वहीं दूसरी ओर उनके अधिकारों को कुचलने का काम कर रही है। उन्होंने सरकार से जल्द विशेष भर्ती अभियान के माध्यम से बैकलॉग के अनुसूचित जाति के 37 पदों को भरने की मांग की है।

बीरोंखाल कांग्रेस कार्यकारिणी गठित

पौड़ी : बीरोंखाल ब्लाक मुख्यालय में कांग्रेस कमेटी बीरोंखाल की बैठक में ब्लाक अध्यक्ष महिपाल शाह ने नई कार्यकारिणी का गठन किया है। कार्यकारिणी में संरक्षण डॉ. जयदेव सिहं नेगी, बचन सिंह नेगी, महासचिव विजयपाल नेगी, राजीराम, रोशन नेगी, सचिव अर्जुन सिंह सजवाण, शिवदर्शन सिंह, नागेन्द्र शर्मा, उपाध्यक्ष कुलदीप नेगी, नन्द किशोर नौटियाल, कोषाध्यक्ष विशम्वर सिंह बिष्ट, युवा अध्यक्ष पंकज गुसाईं, जिला कार्यकारिणी सदस्य के लिए विष्णु रावत, जिला कार्यकारिणी अनुसूचित जाति सुरेशा नन्द, जिला कार्यकारिणी युवा मोर्चा सुनील रावत को चुना गया है।

मल्ड महादेव मंदिर में 18 से शुरू होगी जात

श्रीनगर गढ़वाल : कीर्तिनगर ब्लॉक के डागर ग्राम सभा में स्थित मल्ड महादेव की विशाल जात करीब 12 सालों बाद आज (गुरुवार)से शुरू हो रही है। मल्ड महादेव मंदिर में विशाल जात नौ दिन तक आयोजित की जायेगी। इस दौरान मंदिर प्रांगण में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जायेगा।

मल्ड महादेव मंदिर विकास समिति के अध्यक्ष गुलाब सिंह नेगी ने कहा कि डागर पट्टी स्थित मल्ड महादेव मंदिर में 12 सालों बाद जात एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होने जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि जात के उद्घाटन के मौके पर गढ़वाल सांसद तीरथ सिंह रावत और देवप्रयाग विधायक विनोद कंडारी मौजूद रहेंगे। कहा कि जात के दौरान क्षेत्र के सभी विद्यालयों के बच्चों, महिला मंगल दलों, युवक मंगल दलों एवं ग्रामीणों के सहयोग से कार्यक्रम को भव्य और दिव्य तरीके से आयोजित किया जा रहा है। (एजेंसी)

कार दुर्घटना में वाहन चालक घायल

श्रीनगर गढ़वाल : कीर्तिनगर कोतवाली क्षेत्रांतर्गत लक्ष्मोली से हिसरियाखाल मोटरमार्ग पर खोला गांव के पास एक कार दुर्घटनाग्रस्त होकर 400 मीटर खाई में जा गिरी। जिसमें कार चालक घायल हो गया। कीर्तिनगर कोतवाली के उपनिरीक्षक के.आर आर्य ने बताया कि मंगलवार रात्रि साढ़े नौ बजे के करीब लक्ष्मोली से हिसरियाखाल मोटरमार्ग पर कार दुर्घटनाग्रस्त होने की सूचना प्राप्त हुई। बताया कि एसडीआरएफ और स्थानीय लोगों की मदद से घायल को खाई से बाहर निकाला गया। जिसके बाद पुलिस ने 108 की मदद से घायल को बेस चिकित्सालय श्रीकोट भेजा। उन्होंने बताया कि कार चालक प्रेमदास (40) पुत्र ख्याली दास निवासी ग्राम जाखेड़, टिहरी को हाथ और पांव में चोटें आई है। (एजेंसी)

दो माह पूर्व उखाड़ दिया सीसी मार्ग, अब कह रहे बजट नहीं है

◆इंटर लाकिंग टाइल्स लगाने के बाद पर उखाड़ी गई संगम बिहार की सड़क
◆आक्रोशित वार्डवासियों ने जल्द सड़क मरम्मत की उठाई मांग

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः नगर निगम बनने के बाद जनता को बेहतर विकास की उम्मीद थी। लेकिन, नगर निगम वार्डवासियों के लिए समस्या बन रहा है। हालत यह है कि पदमपुर स्थित संगम बिहार में दो माह पूर्व इंटर लाकिंग टाइल्स लगवाने के लिए सड़क को उखाड़ दिया गया था। लेकिन, अब तक सड़क मरम्मत पर ध्यान नहीं दिया गया। बजट नहीं होने की बात कहकर पार्षद भी अपना पल्ला झाड़ रही है। नतीजा उखड़े मार्ग के कारण मोहल्लावासियों को हर समय दुर्घटनाओं का खतरा बना हुआ है।

दो माह पूर्व नगर निगम ने मोहल्ले में बने मार्ग को उखाड़ कर इंटर लाकिंग टाइल्स बिछाने की बात कही थी। लेकिन, आज तक टाइल्स नहीं लगाई है। ऐसे में वार्डवासियों की समस्याएं बढ़ने लगी है।

संगम बिहार में नगर निगम द्वारा खोदा गया मार्ग

वार्डवासी अपने घरों तक दोपहिया वाहन नहीं ले जा पा रहे हैं। बुधवार को आक्रोशित वार्डवासियों ने इस संबंध में उपजिलाधिकारी सोहन सिंह सैनी को ज्ञापन दिया। वार्डवासियों ने बताया कि जब उन्होंने इस संबंध में पार्षद से वार्ता की तो उन्होंने बताया कि इस कार्य के लिए किसी भी तरह का बजट नहीं है। इधर, उखड़े हुए मार्ग के कारण वार्डवासियों को आवाजाही में समस्या हो रही है। सबसे अधिक परेशानी बच्चों व बुजुर्गों को हो रही है। वार्डवासियों ने उपजिलाधिकारी से जल्द उनकी समस्या के निराकरण की मांग की है। कहा कि वार्डवासियों की अनदेखी किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस मौके पर रूपचंद्र लखेड़ा, ज्योति गुसाईं, बीएस नेगी, आनंदी रावत, अर्जिता सजवाण आदि मौजूद रहे।

उत्कृष्ट स्वयं सेवियों को किया गया सम्मानित

कोटद्वार : शहीद लांस नायक धनवीर सिंह राणा राजकीय बालिका इंटर कॉलेज कण्वघाटी में आयोजित सात दिवसीय एनएसएस शिविर का समापन हो गया। इस दौरान स्वयं सेवियों ने विभिन्न सांस्कृति कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। वहीं, उत्कृष्ट स्वयं सेवियों को भी सम्मानित किया गया। ।

कार्यक्रम अधिकारी डा. मंजू कपरवाण ने बताया कि स्वयं सेवियों ने शिविर के दौरान डिजिटल इंडिया, योग, स्वच्छता, पर्यावरण सन्तुलन, राष्ट्रीय एकता, आयुर्वेद के अनुसार स्वास्थ्य रक्षा, साइबर क्राइम, नशा मुक्ति आदि पर आयोजित गतिविधियों में प्रतिभाग किया। मुख्य अतिथि समाजसेवी आभा डबराल ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना के शिविर में अर्जित किया गया ज्ञान जीवन में आगे बढ़ने के लिए काम आता है। पूर्व प्रधानाचार्य मंजू रावत ने कहा कि शिविर से स्वयं सेवियों का मनोबल बढ़ता है। इस मौके पर में खुशी रावत को सर्वश्रेष्ठ स्वयं सेवी, कीर्ति धस्माना को अनुशासित स्वयं सेवी का पुरस्कार दिया गया। साथ ही छत्तीसगढ़ में आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर में उत्तराखंड

उत्कृष्ट स्वयं सेवी को सम्मानित करती शिक्षिकाएं

का नाम रोशन करने वाली कीर्ति धस्माना एवं मीनल रावत को भी पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में विजय पाल नेगी, अलका लिंगवाल, चन्द्र प्रकाश, सतीश सिंह और सुनीता देवी सहित समस्त स्वयं सेवी मौजूद रहे।

लोक गायकों की मधुर प्रस्तुतियों ने किया मंत्रमुग्ध

संदेश, कला व सांस्कृतिक संस्था की ओर से आयोजित किया गया कार्यक्रम

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : संदेश, कला व सांस्कृतिक संस्था की ओर से मवाकोट गेंद मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस दौरान लोक गायक संजय रावत व साथी कलाकारों की प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण ने दीप प्रज्वलित कर किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि कोटद्वार विधानसभा का विकास उनकी प्राथमिकता है और इसके लिए वे लगातार प्रयासरत हैं। तत्पश्चात संस्था के कलाकारों द्वारा लोकगीत व लोकनृत्यों की शानदार प्रस्तुतियां दी गई। लोक गायक संजय रावत ने ब्वाड़ा ब्या ब्या ब्या.., पौड़ी की बांद च.., पौसतु का छुमा आदि गानों की प्रस्तुति देकर दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। इस मौके पर राजीव कुमार, मनोज कुमार और शशि बाला केष्टवाल सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे।

आयोजित कार्यक्रम में प्रस्तुति देते कलाकार

सीटू 23 को समस्याओं को लेकर करेंगी प्रदर्शन

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : सीटू आगामी 23 जनवरी को शहर में विभिन्न मांगों के निराकरण को लेकर प्रदर्शन करेगी। सीटू ने प्रदर्शन को सफल बनाने को लेकर तैयारियां शुरू कर दी है। सीटू के जिला महामंत्री देवानंद नौटियाल ने बताया कि न्यूनतम वेतन 26 हजार देने, पुरानी पेंशन बहाल करने, केंद्र व राज्य सरकार के विभागों के साथ ही उद्योगों व निजी संस्थानों में ठेकेदारी प्रथा, आउटसोर्स या संविदा में लगे लोगों को उसी स्थान पर स्थाई रोजगार देने, रेलवे के निजीकरण पर रोक लगाने, पर्वतीय जिलों में पलायन पर रोक लगाने के लिए कृषि, उद्यानीकरण व वनों पर आधारित उद्योगों को स्थापित करने सहित विभिन्न समस्याओं के हल की मांग की जा रही है लेकिन सरकार इस पर कोई ध्यान नहीं दे रही है। जिससे सभी परेशान है। कहा कि 23 जनवरी को इन समस्याओं के हल की मांग को लेकर प्रदर्शन किया जाएगा।

ऊधम सिंह नगर ने रुद्रप्रयाग को हराया

कोटद्वार : जिला क्रीड़ा विभाग की ओर से राजकीय स्पार्ट्स स्टेडियम कोटद्वार में हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस दौरान उद्घाटन मैच में ऊधमसिंह नगर ने रुद्रप्रयाग को हराया। आयोजित प्रतियोगिताओं का शुभारंभ जिला क्रीड़ा अधिकारी अनूप बिष्ट, उपजिलाधिकारी सोहन सिंह सैनी ने किया। वक्ताओं ने युवाओं को पढ़ाई के साथ खेल के क्षेत्र में भी आगे बढ़ने की सीख दी। इसके उपरांत पहला मुकाबला रुद्रप्रयाग व ऊधमसिंह नगर के बीच खेला गया। जिसमें ऊधमसिंह नगर ने 4-0 से जीत दर्ज की। दूसरे मैच में उत्तरकाशी ने काशीरामपुर को 2-1 से पराजित किया। तीसरे मुकाबले में हरिद्वार ने टिहरी गढ़वाल को 4-0 से हराया। चौथे मुकाबले में देहरादून ने अल्मोड़ा को 7-0 व पांचवे मुकाबले में पौड़ी गढ़वाल ने रानीखेत को 9-0 से हराकर जीत दर्ज की। स्टेडियम प्रभारी संदीप कुमार ने बताया कि प्रतियोगिता लीग कम नाक आउट के आधर पर खेला जा रहा है। जिसमें सभी टीमों को फाइनल में पहुंचने का अवसर मिलेगा। प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका मोहित रावत, अमित कटारिया, नीरज रावत, गोविंद लटवाल, सौरभ पटवाल, योगेश जोशी ने निभाई। इस मौके पर महेश्वर सिंह नेगी, दीपक जोशी, श्याम सिंह डांगी, मनोज नेगी, माप सिंह थापा, विक्रम नेगी, महेंद्र रावत, तेजेंद्र रावत आदि मौजूद रहे।

हत्या में पत्नी व देवर को आजीवन कारावास

कोटद्वार : हत्या के एक मामले में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अदालत ने हत्यारोपी महिला सहित उसके देवर को आजीवन करावास की सजा सुनाई है। न्यायालय ने अभियुक्तों पर दस-दस हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है।

सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता (फौजदारी) जितेंद्र सिंह रावत ने बताया कि 26 जुलाई 2022 को काशीरामपुर निवासी मृतक रिंकू कुमार के पिता दयाराम ने मृतक की पत्नी दीक्षा और अपने छोटे पुत्र ओमकुमार पर रिंकू की हत्या का आरोप लगाते हुए कोटद्वार कोतवाली में तहरीर दी थी। जिसके आधार पर पुलिस ने दोनों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया था। हत्या के आरोपी ओमकुमार को हिरासत में लेकर की गई पूछताछ में पता चला कि ओमकुमार और दीक्षा के बीच अवैध संबंध थे। जिसके बाद दीक्षा व रिंकू में विवाद बढ़ने लगा और दीक्षा अपने मायके चली गई। अगले दिन जब वह वापस आई तो दीक्षा और रिंकू में दोबारा झगड़ा हुआ। झगड़े के दौरान रिंकू ने ओमकुमार को लात मारी, लेकिन ओमकुमार ने उसका पैर पकड़ लिया। इस दौरान रिंकू बेहोश होकर जमीन पर गिर गया। इसके बाद दीक्षा ने बेहोश रिंकू के मुंह पर तकिया रखकर उसकी हत्या कर दी थी।

कांग्रेस ने दिवंगत कार्यकर्ताओं को दी श्रद्धांजलि

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : जिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पार्टी के दिवंगत कार्यकर्ता मनवर सिंह आर्य व वीरेंद्र नेगी को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने संगठन के लिए दिए गए मनवर सिंह आर्य व वीरेंद्र नेगी के योगदान को भी याद किया। कहा कि संगठन की मजबूती के लिए दिए गए कार्यकर्ताओं के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। कांग्रेस कार्यालय में श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पूर्व विधायक शैलेंद्र सिंह रावत ने कहा कि दिवंगत दोनों विभूतियों ने जीवन पर्यंत पार्टी को मजबूत बनाने का कार्य किया और पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाया। जिलाध्यक्ष विनोद डबराल ने कहा कि दोनों विभूतियों का निधन पार्टी के लिए अपूर्णीय क्षति है। पार्टी के लिए दिए गए उनके योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। मौके पर दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा गया। श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में शंकेश्वर सेमवाल, ओम प्रकाश कोटला, गुड्डू सिंह चौहान, नीलम रावत, गोकुल सिंह नेगी, विनोद नेगी, मदन सिंह नेगी, मोहन रावत और अमित राज सिंह सहित अन्य कार्यकर्ता शामिल रहे।

कोटद्वार जिला कांग्रेस कार्यालय में दिवंगत कार्यकर्ताओं को श्रद्धांजलि देते कांग्रेसी

गढ़वाल विवि में 15 दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विवि में नई शिक्षा नीति के विभिन्न पक्षों पर केंद्रित 15 दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सेवारत उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, नई दिल्ली, गुजरात, महाराष्ट्र और केरल के शिक्षक प्रशिक्षण लेंगे। गढ़वाल विवि के मालवीय मिशन टीचर ट्रेनिंग केंद्र में प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ करती हुई गढ़वाल विवि की कुलपति प्रो. अन्नपूर्णा नौटियाल ने कहा कि विश्वविद्यालय के मालवीय मिशन टीचर ट्रेनिंग सेंटर द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभाग कर रहे दक्षिण और पश्चिमी राज्यों के प्रतिभागी शिक्षकों को एनईपी की बारीकियों को समझने का अवसर मिलेगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम के पहले दिन प्रो. किरण लता डंगवाल ने रोचक तथा उपयोगी व्याख्यान दिए।

केंद्र की निदेशक प्रो. इंदु पांडेय खंडूड़ी ने बताया कि हमारा केंद्र एनईपी 2020 के विविध पक्षों पर देशभर के विद्वान वक्ताओं को वक्तव्य के लिए आमंत्रित करते हुए शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण के नए आयाम स्थापित करेगा। उन्होंने बताया कि वर्तमान कार्यक्रम एनईपी 2020 ओरियंटेशन एंड सेंसटाइजेशन प्रोग्राम के शीर्षक से आयोजित किया जा रहा है। इसके अंतर्गत इंडियन नॉलेज सिस्टम, एकेडमिक लीडरशिप गवर्नेंस एंड मैनेजमेंट, स्किल डेवलपमेंट स्टूडेंट डायवर्सिटी एंड इंक्लूसिव एजुकेशन, इनफार्मेशन एंड टेक्नोलॉजी कम्युनिकेशन, रिसर्च एंड डेवलपमेंट, हायर एजुकेशन एंड सोसाइटी तथा हॉलिस्टिक एंड मल्टी डिसिप्लिनरी एजुकेशन जैसे विविध पक्षों पर शिक्षकों को प्रशिक्षित किया जाएगा। बताया कि कार्यक्रम के अंत में शिक्षकों को बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर देकर उनका मूल्यांकन भी किया जाएगा। कार्यक्रम का संचालन केंद्र के असिस्टेंट डायरेक्टर डॉ. राहुल कुंवर सिंह, डा. सोमेश थपलियाल तथा डा. कविता भट्ट ने किया। संयोजन कार्य में पूनम रावत ने सक्रिय भूमिका निभाई। (एजेंसी)

ऑलराउंडर की टीम ने जीता क्रिकेट का फाइनल

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : शहीद मुकेश बिष्ट की स्मृति में आयोजित क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला आल राउडर-07 के नाम रहा। इस दौरान प्रतियोगिता के अव्वल खिलाड़ियों को भी सम्मानित किया गया।

फाइनल मुकाबला बांउटी हंटर्स और ऑल राउंडर-7 के बीच खेला गया। टॉस जीत पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑलराउंडर सेवन ने निर्धारित 15 ओवरों में विनय 54(21), प्रशांत 51(25) और राजेश 39(23) की परियों की बदौलत 184/6 रन बनाएं। कप्तान तनवीर ने तीन ओवर में 34 रन देकर तीन विकेट झटके। लक्ष्य का पीछा करते हुए बाउंटी हंटर्स की टीम की तरफ से जयदेव 72(31) और आकाश 30(28) की परियों के बावजूद 160/6 रन ही बना सकी। अंकुश और विनय ने क्रमशः तीन और एक विकेट लिए। मुकाबले का शुभारंभ समाज सेवक हुकम सिंह नेगी द्वारा किया गया था। पुरस्कार वितरण कर्नल चंद्री पटवाल, गिरिराज सिंह रावत, सुनील रावत, डॉक्टर अपाला बडुनी ने किया। आयोजक तरुण ईष्टवाल ने बताया कि सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज का खिताब जयदेव बिष्ट (150 रन), सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज शोएब (9 विकेट) और मैन ऑफ द सीरीज विनय केष्टवाल (180 रन और 5 विकेट) को दिया गया। प्रतियोगिता में 32 टीमों ने प्रतिभाग किया गया था।

फाइनल विजेता टीम को सम्मानित करते अतिथि

तीन दिवसीय योग शिविर संपन्न

श्रीनगर गढ़वाल : कोतवाली श्रीनगर में चल रहे तीन दिवसीय योग शिविर का बुधवार को विधिवत समापन हुआ। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक विनोद गुसाई के निर्देशन पर कोतवाली श्रीनगर परिसर में तीन दिवसीय योग शिविर लगाया गया था। जिसमें गढ़वाल विवि के योग विभाग की छात्र-छात्राओं के द्वारा पुलिस कर्मियों को अनुलोम-विलोम, कपाल भांति, प्राणायाम, आसन सहित तमाम योग क्रियाएं करवाई गई। योग प्रशिक्षकों ने शिविर में कहा कि वह नियमित रुप से योग कर स्वयं को स्वस्थ रख सकते हैं। शिविर में कोतवाली प्रभारी निरीक्षक विनोद गुसाई, एसएसआई सुनील रावत सहित एसडीआरएफ, ट्रैफिक पुलिस, पुलिस कर्मी आदि शामिल रहे। (एजेंसी)

गुरु गोविंद सिंह की जयंती पर प्रभात फेरी निकाली

श्रीनगर गढ़वाल : एंजिल्स हेवन स्कूल खदुखाल में बुधवार को गुरु गोविंद सिंह जयंती धूमधाम से मनाई। इस अवसर पर छात्रों ने शब्द कीर्तन के साथ गांव में प्रभात फेरी निकालकर सभी को गुरु गोविंद सिंह के जन्मदिन की बधाई दी। इस दौरान छात्रों द्वारा गुरु गोविन्द सिंह की जीवनी व उनके लिखे शब्दों को गाकर उन्हें नमन किया। इस दौरान स्कूल की मुख्य अध्यापिका विभा भट्ट ने छात्रों को गुरु गोविन्द सिंह के जीवन से प्रेरणा लेते हुए मानवीय गुणों को अपना कर नेक कर्म करने और अच्छा मानव बनने की शिक्षा दी।

अभ्युदय परिवार इकाई गायू की अध्यक्ष बनी पुष्पा शाह

जयन्त प्रतिनिधि।

लैंसडौन : अभ्युदय परिवार लैंसडौन द्वारा डेरियाखाल, असनखेत, जयहरीखाल, रणाकोट, पालकोट के उपरान्त ग्राम गोयू (जडियाना) में अभ्युदय परिवार इकाई का गठन किया।

बुधवार को ग्राम सभा जडियाना में डेरियाखाल शाखा की अध्यक्ष सरोज रावत की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में सर्व सम्मति से नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। पुष्पा शाह को अध्यक्ष, सुरेशी देवी, आरती शाह को उपाध्यक्ष, लक्ष्मी देवी सचिव, पार्वती देवी सह सचिव, सावित्री देवी कोषाध्यक्ष, महिमा शाह को सह कोषाध्यक्ष चुना गया। संयोजिका भावना वर्मा ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में अभ्युदय परिवार संस्था का विस्तार करने का उद्देश्य महिलाओं और बच्चों की प्रतिभा का विकास करना है। साथ ही हमारे लोकपर्व जो हम भुलते जा रहे उनको ग्रामीण क्षेत्र व शहरी क्षेत्र में एक साथ मनाना है। जिससे हमारी संस्कृति हमारी परम्परा जिवित रहे, क्योंकि हमारी संस्कृति ही हमारी पहचान है। रचना रावत ने कहा हम शीघ्र ही अभ्युदय परिवार लैंसडौन की इकाई भुवाली, बरस्वार, जलेथा, धौलखेत, पीड़ा, कंदोली में खोलने जा रहे, जिससे हम अधिक से अधिक महिलाओं और बच्चों से जुड़कर उनकी प्रतिभा का विकास कर सकें। बैठक में विपना जोशी, सविता रावत, चन्द्रकांता बौठियाल, सपना शाह, श्वेता शाह, मंजू देवी, बीना देवी, राजकुमारी देवी, रीना देवी, मंजू देवी, पार्वती देवी आदि मौजूद थे।

केसुन्दर ने जीती फुटबॉल प्रतियोगिता

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : नेहरू युवा केन्द्र पौड़ी गढ़वाल के सौजन्य से शारीरिक समर्थता दिवस के अवसर पर विकास क्षेत्र पौड़ी के ग्राम सभा केसुन्दर के खेल मैदान में फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। फुटबॉल प्रतियोगिता के रौचक फाइनल मुकाबले में युवा मण्डल केसुन्दर ने युवा मण्डल क्यार्क को पेनाल्टी किक से परास्त किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ब्लॉक समंवयक खेल, पौड़ी राजेन्द्र सिंह रावत ने खिलाड़ियों को खेल के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि खेल का नियमित अभ्यास करना चाहिए, क्योंकि आधुनिक दौर की भाग-दौड़ भरी दिनचर्या में युवाओं का मानसिक विकास के साथ-साथ शारीरिक विकास भी होना आवश्यक है, ताकि युवा स्वस्थ और निरोगी बने रहें। कार्यक्रम में ग्राम प्रधान केसुन्दर, नूतन रावत ने युवाओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खिलाड़ियों को खेल भावना से खेलना चाहिए, साथ ही युवाओं को बचपन से अपना लक्ष्य निर्धारित कर हुनर की पहचान के अनरूप अपने भविष्य का निर्धारण सकारात्मक सोच से करना चाहिए।

मैच में रैफरी की भूमिका में राहुल पंवार रहें। फुटबाल प्रतियोगिता में स्थानीय युवा मण्डल केसुन्दर, क्यार्क, जुकण्डी, कठूड़, सिरोली, बैन्जवाड़ी आदि टीमों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवी कविता पंवार ने किया। इस मौके पर अम्बिका पंवार, पीयूष, मंदीप नेगी, सौरभ बर्तवाल, अंशुल रावत, सोनु डोभाल आदि उपस्थित रहे।

गुरु गोविंद सिंह जी के प्रकाश पर्व पर 51 लोगों ने किया रक्तदान

कोटद्वार : सिखों के दसवें गुरु गुरु गोविंद सिंह जी के प्रकाश पर्व गोविन्द नगर स्थित गुरुद्वारा में श्रद्धा पूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर शबद कीर्तन का आयोजन किया गया। सभी श्रद्धालुओं ने बड़े मनोभाव से अपने गुरु गुरु गोविंद सिंह जी का भावपूर्ण स्मरण किया और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। श्री गुरू नानक सिंह सभा गोविंद नगर द्वारा श्री महंत इंद्रेश अस्पताल देहरादून के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें टीम लीडर अमित चंद्रा के नेतृत्व में रक्तदान शिविर में टीम ने सहयोग किया गया। आधारशिला रक्तदान समूह के संचालक दलजीत सिंह ने बताया कि रक्तदान शिविर में 70 लोगों ने पंजीकरण कराया था, जिसमें से 51 लोग रक्तदान करने में सफल रहे। उन्होंने कहा कि रक्तदान से बड़ा दुनिया में कोई दान नहीं है। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वह आगे बढ़कर रक्तदान करें और दूसरे को भी प्रेरित करें। आज समाज में ज्यादा से ज्यादा लोगों और संस्थाओं के माध्यम से रक्तदान करने की आवश्यकता है। जिससे रक्त कोष हमेशा भरे रहे तथा आवश्यकता पड़ने पर जरूरत को रक्त मिल सके। उन्होंने कहा कि रक्तदान करने से किसी भी प्रकार की कमजोरी नहीं आती है, स्वस्थ आदमी हर 3 महीने पर साल में चार बार रक्तदान कर सकता है।

पारंपरिक अनाज को अगली पीढ़ी तक पहुंचाना हमारी जिम्मेदारी : सांसद

कोदा-झंगोरा को वैश्विक पहचान मिलने से प्रदेश के किसानों की आर्थिकी में होगा सुधार

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : गढ़वाल सांसद तीरथ सिंह रावत ने विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत रैंतोली स्थित प्राथमिक विद्याल में आयोजित सम्मान समारोह एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग किया। इस दौरान उन्होंने राज्य एवं केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हुए अपनी सरकार की उपलब्धियां भी स्थानीय जनता को गिनवाई।

वहीं उज्वला योजना के तहत 21 लाभार्थियों को कनेक्शन एवं अपने क्षेत्र में बेहतर कार्य कर रहे महिला समूहों को भी सम्मानित किया। साथ ही विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टालों का निरीक्षण कर पहाड़ी उत्पाद भी खरीदे।

विकसित भारत संकल्प यात्रा की शपथ ग्रामीणों को दिलाते हुए सांसद तीरथ सिंह रावत ने कहा कि आजादी के 100 वर्ष पूरे होने तक देश के यश्स्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र

मोदी ने देश को विकसित देशों में शामिल करने का लक्ष्य लिया है। लेकिन इसकी शुरूआत अभी से करनी होगी। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए देश के अंतिम व्यक्ति का विकास होना उसके पास रोजगार होना जरूरी है। इसी उद्देश्य के साथ विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत अंतिम व्यक्ति तक जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने का प्रयास हो रहा है। उन्होंने कहा कि जी-20 सम्मेलन में दुनिया भर को पहाड़ी कोदा-झंगोरा खाने में परोसा गया। इससे हमारे पहाड़ी आर्गेनिक खाने को पूरी दुनिया में पहचान मिली है एवं इसका सीधा प्रभाव हमारे किसानों की आर्थिक स्थिति पर पड़ेगा। कोदा-झंगोरा सहित मोटे अनाज की मांग लगातार बढ़ती जा रही है। सांसद तीरथ सिंह ने कहा कि किसानों की आय बढ़ाने के लिए आने वाले समय में देश में आधुनिक तकनीकि से खेती पर जोर दिया जा रहा है। इस अवसर पर उन्होंने उज्वला योजना की लाभार्थी कमला देवी, थापा देवी, अनीता देवी, सीमा देवी एवं शुभमनी देवी को कनेक्शन वितरित किए। वहीं अपने क्षेत्र में बेहतर कार्य कर रहे अलकनंदा महिला समूह की विजया गैरोला दक्षिण काली की बबीता पंवार मन्नत की कल्पेश्वरी देवी एवं नैना देवी की सुधा देवी को भी सम्मानित किया। कार्यक्रम के दौरान स्कूली छात्राओं एवं महिला समूहों ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति भी दी। दक्षिण काली महिला समूह द्वारा माधो सिंह भंडारी जी के संघर्ष एवं समाज के लिए अपने बेटे की बलि देने पर आधारित प्रस्तुति देखकर सांसद समेत पूरा पंडाल भाव-विभोर हो उठा। समारोह में जिला पंचायत अध्यक्ष अमरदेई शाह भाजपा जिलाध्यक्ष महावीर सिंह पंवार पूर्व जिलाध्यक्ष भाजपा विजय कपरवाण प्रधान लक्ष्मी देवी जायसवाल मुख्य कृषि अधिकारी लोकेंद्र बिष्ट जिला पूर्ति अधिकारी मनोज डोभाल जिला उद्यान अधिकारी योगेंद्र चौधरी पंचायत राज अधिकारी प्रेम सिंह रावतए डीपीएम रीप ब्रह्मकांत भट्ट सहित अन्य अधिकारी एवं स्थानीय लोग मौजूद रहे।

प्रो. सिंह के निधन पर एसआरटी परिसर में जताया शोक

नई टिहरी : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय के एसआरटी परिसर बादशाही थौल टिहरी के पूर्व निदेशक पद से सेवानिवृत्त प्रो एके सिंह के आकस्मिक निधन होने पर एसआरटी परिसर टिहरी में शोक सभा का आयोजन कर दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि देते हुए शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों व छात्रों ने शोक संवेदनायें व्यक्त की। शोक सभा में परिसर निदेशक प्रो. एए बौड़ाई, प्रो. पीडी सेमल्टी, प्रो. एमएस नेगी, प्रो. डीएस बागड़ी, प्रो. के अग्रवाल, डॉ केसी पेटवाल, डा. यू एस नेगी, विभागाध्यक्ष एवं पुस्तकालयाध्यक्ष डा. हंसराज सिंह बिष्ट, हिंदी विभागध्यक्ष डा. अनूप सेमवाल, डा. शंकर लाल, डा. पवन सिंह राणा, डा. दिनेश नेगी, कार्यालय अधीक्षक सुदामा लाल, हीरालाल गैरोला, मुकेश कुमार, राजेंद्र कठैत, यशवंत रावत, ज्ञानदीप चमोली, कुमारी उषा नेगी, राकेश रमोला, दिनेश मंगाई, अजय सिंह नेगी, महिपाल भंडारी, राजकिशोर थपलियाल, मोहन सिंह, प्यारेलाल, आनंद मियां, सुरेश लाल मौजूद रहे। (एजेंसी)

श्रीराम के राज्यभिषेक में बड़ी संख्या में पहुंचे दर्शक

रुद्रप्रयाग : श्री गणेश रामलीला समिति गुलाबराय द्वारा गुलाबराय मैदान में चल रही रामलीला में बुधवार को प्रभु राम के राज्यभिषेक का मंचन किया गया। इस दौरान संगम से गुलाबराय मैदान तक भव्य शोभा यात्रा निकाली गई जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने प्रतिभाग किया। श्री गणेश रामलीला समिति द्वारा आयोजित रामलीला का बुधवार को समापन हो गया। सुबह साढ़े 11 बजे राम, लक्ष्मण, सीता, हनुमान शोभा यात्रा के साथ संगम स्थल से गुलाबराय मैदान तक पहुंचे। इस दौरान जय श्री राम के जयकारों से सम्पूर्ण माहौल भक्तिमय हो गया। इसके बाद गुलाबराय मैदान में राज्यभिषेक की लीला शुरू हुई। पहले भरत का श्रीराम से मिलना और फिर प्रभु राम द्वारा हनुमान को उनके समर्पण और सेवा भाव के लिए माला भेंट करने का दृश्य दिखाया गया।

बारिश नहीं होने से फसलों को नुकसान

रुद्रप्रयाग : जनपद में लम्बे समय से बारिश न होने से सब्जी, फल के साथ ही पारम्परिक खेती को नुकसान पहुंच रहा है। अभी तक 30 फीसदी फसल खराब हो गई है। यदि 15 दिनों तक बारिश न हुई तो किसानों की मेहनत पर पानी फिर सकता है। मौसम की बेरुखी से काश्तकार खाते चिंतित हैं। बीते अक्तूबर माह से जनपद में किसान बारिश के लिए तरस गए हैं। दिसम्बर और जनवरी में जिस तरह की बारिश और बर्फबारी होनी चाहिए थी वह किसी भी तरह से दिखाई नहीं दी है। ऐसे में किसानों की सब्जी, फल और गेंहू, जौ की फसल को निरंतर क्षति पहुंच रही है। प्रगतिशील किसान विजय सेमवाल, राकेश बिष्ट ने बताया कि इस बार सब्जी और फल के लिए समय पर बारिश नहीं हुई। जिससे सब्जी की पैदावार अपेक्षा से कई कम हुई। जबकि आने वाले मौसम के लिए जो सब्जी बोई जानी थी उसके लिए भी अनुकूल मौसम नहीं मिल रहा है। इससे किसानों को नुकसान हो रहा है। कई जगहों पर गेंहू की फसल की ग्रोथ भी काफी कम है। जिससे गेंहू और जौ की बाली का विकास रुक सा गया है। इधर, जिला उद्यान अधिकारी योगेंद्र सिंह ने बताया कि बारिश न होने का असर सब्जी और फसल पर साफ दिखाई दे रहा है। बारिश न होने से करीब 30 फीसदी का नुकसान हुआ है यदि आगे 15 दिन बारिश नहीं होती है तो किसानों के सम्मुख संकट आ सकता है। (एजेंसी)

प्लास्टिक उन्मूलन को निकाली रैली

नई टिहरी : डीएम टिहरी के निर्देश पर नगर पालिका देवप्रयाग की ओर से 22 जनवरी तक नगर क्षेत्र में स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। ईओ रघुवीर राय ने बताया कि, देवप्रयाग नगर के आसपास के मंदिरों, सार्वजनिक, स्थानों, पर्यटक स्थलों, विभिन्न घाटों, पैदल मार्गों आदि पर स्वच्छता व झाड़ी उन्मूलन कार्यक्रम आयोजन किये जा रहे हैं।

साथ ही श्रद्धालुओं द्वारा अलकनंदा भागीरथी संगम घाट पर गंगा आरती और राम मंदिर में भजन कीर्तन कार्यक्रम भी आयोजित किये जाएंगे।

तीन दिवसीय जात्रा का समापन

नई टिहरी : घनसाली के ग्राम पंचायत जखन्याली में तीन दिवसीय श्रीगुरू माणिकनाथ और द्रोपदी मंडाण जात्रा पूजा अर्चना के साथ संपन्न हो गई। ग्रामीणों ने देवी देवताओं का आशीर्वाद लेकर सुख समृद्धि की कामना की। ग्राम पंचायत जखन्याली में ग्रामीणों की ओर से सामूहिक रुप से तीन दिवसीय माणिकनाथ देवता और द्रोपदी मंडाण का आयोजन किया गया।

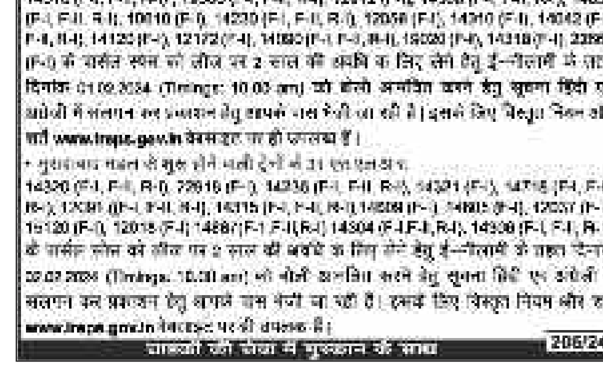

मेट-बेलदार संघ की मांगों को लेकर आंदोलन की चेतावनी

नई टिहरी : लोनिवि के आउटसोर्स मेट-बेलदार कर्मचारी संघ ने आश्वासन के बाद भी मांगों पर कार्यवाही न होने से खफा होकर आंदोलन की चेतावनी दी है। संघ ने ऐजेंसी व ठेकेदारों पर उत्पीड़न का भी आरोप लगाया है। आउटसोर्स मेट-बेलदार संघ के अध्यक्ष जयेंद्र सिंह व सचिव तेजपाल शाह का कहना है कि यदि आगामी 28 जनवरी से पहले उनकी मांगों पर कार्यवाही नहीं की गई तो संघ 29 जनवरी से प्रमुख अभियंता कार्यालय में अनिश्चितकालीन आंदोलन को मजबूर होगा। यदि फिर पर उनकी मांगों पर गौर नहीं किया गया तो संघ प्रमुख अभियंता कार्यालय में तालाबंदी की कार्यवाही भी सुनिश्चित करेगा। बताया की आउटसोर्स से लगाये गये मेट व बेलदार सर्दी, गर्मी, बरसात व बर्फबारी के मौसम में कठिन परिस्थितियों में नियमित काम करते हैं। इसके बाद भी ठेकेदार व ऐजेंसियां उनका उत्पीड़न कर रही हैं। नियमविरुद्ध चालीस प्रतिशत मजदूरी में कटौती की जा रही है। ईपीएफ व ईएसआई सेवा का भी लाभ नहीं दिया जा रहा है। इसके बार में लोनिवि मंत्री, मुख्य सचिव व लोनिवि के अभियंताओं को अवगत कराया गया, लेकिन फिर भी कार्यवाही नहीं हुई तो संघ ने बीते 15 दिसंबर को महारैली कर सचिवालय घेराव का कार्यक्रम बनाया। जिस पर प्रमुख अभियंता ने संघ के साथ बैठकर कर मांगों के निस्तारण का भरोसा दिया, लेकिन महीनों बीतने के बाद भी इस पर कार्यवाही नहीं हुई, नहीं मांगों को लेकर लोनिवि के अधिशासी अभियंताओं को कोई कड़े आदेश जारी किए गये। जिससे एक बार फिर संघ आंदोलन की रणनीती बनाने को मजबूर है। मांग है कि वर्ष 2014 से आउटसोर्स के माध्यम से लगाये गये मेट-बेलदारों को सरकारी व्यवस्था के हिसाब से समायोजित किया जाय। वर्ष 2014 से लगे मेट व बेलदारों को तत्काल बहाल किया जाय। ईपीएफ व ईएसआई का लाभ दिया जाय। 2014 से लगे मेट-बेलदारों के अवशेष मजदूरी का भुगतान किया जाय। लोनिवि में आउटसोर्स ऐजेंसियों व ठेकेदारों की व्यवस्था पूरी तरह से खत्म की जाय। (एजेंसी)

घंटाकर्ण देवता की महाजात में छात्रों ने दीं प्रस्तुतियां

नई टिहरी : श्री घंटाकर्ण देवता महाजात व विकास मेला, धार पयांकोटी कड़ाकोट में केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर, देवप्रयाग के छात्र-छात्राओं ने विभिन्न मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। परिसर के हिंदी प्राध्यापक डॉ. वीरेंद्र सिंह बर्त्वाल के मार्गदर्शन में 18 सदस्यीय छात्र दल ने सर्वप्रथम घंडियाल देवता के मंदिर में स्वस्तिवाचन मंत्र पाठ किया। टीम ने मांगल गीत से रंगारंग प्रस्तुतियों की शुरुआत करते ह्यनारैणी मां भवानीह्ल और ह्यहुरणी का दिनह्ल जागरों से आध्यात्मिक वातावरण बना दिया। छात्रों द्वारा प्रस्तुत ह्यकृष्ण महिमाह्ल नाटक में आस्तिकता का संदेश देते श्री कृष्ण को भक्तों का कष्ट हरने वाला बताया गया। संदेश भट्ट, धनंजय देवराडी द्वारा प्रस्तुत कविताओं ने वाहवाही लूटी। डॉ. वीरेंद्र सिंह बर्त्वाल ने ह्यत्यरा बानाह्ल और ह्यम्यरी ब्वेह्ल कविताओ से भाव विभोर कर दिया। शिवानी सती और धनंजय के ह्यउतरैंणी कौथीगह्ल, रचना नौडियाल के ह्यसुलपा की साजह्ल गीतों पर खूब तालियां बजी। पायल के गढ़वाली रीमिक्स पर युवा झूम उठे तो शशांक चंदोला के ह्यज्यू हलकू ह्वे जालूह्ल गीत, कोमल शर्मा की संस्कृत गीत ने समा बांध दिया। हिमाचली नाटिका के माध्यम से छात्रों ने पड़ोसी राज्य की संस्कृति के दर्शन कराये। टीम में राम शर्मा, अंशुल पाठक, मधु, श्रेष्ठा, मनस्वी, जितेंद्र, राधिका टोडरिया, योगेश सेमवाल, दिगंबर रतूड़ी, सुमित कोटियाल, अभिषेक पाठक आदि शामिल रहे।

कार्यालय ग्राम पंचायत दिवई, विकासखण्ड कल्जीखाल गढ़वाल

अल्पकालीन निविदा

महामहिम राज्यपाल महोदय, उत्तराखण्ड की ओर से अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्य हेतु मोहरबन्द निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र दिनांक 20/01/2024 से 22/01/2024 तक किसी भी कार्य दिवस में 10:00 बजे से पूर्वाहन से 12:00 बजे सांय तक अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में निर्धारित शुल्क देकर प्राप्त किये जा सकते है, तथा दिनांक 25/01/2024 को अपराहन 14:00 बजे तक अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में निविदा बॉक्स में डाली जा सकती है, निविदा प्रपत्रों का दिनांक 26/01/2024 को अपराहन 1:30 बजे उपस्थित निविदाताओं अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष ग्राम प्रधान दिवई के कार्यालय में निविदा खोलने हेतु गठित समिति द्वारा खोली जायेगी।

क्र0 सं0	कार्य का नाम	धरोहर धनराशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	निविदा की वैधता	कार्य पूर्ण करने की अवधि	फर्म व ठेकेदार की श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7
1	पंचायत भवन मरम्मत (अन0 लागत 4 लाख)	10000 हजार	500	7 दिन	45 दिन	डी एवं उच्चतर आर0 डब्ल्यू0डी0 जिला पंचायत पौड़ी में किसी भी विभाग में पंजीकृत ठेकेदार

1- निविदा प्रपत्र के साथ वांछित धरोहर राशि एन0एस0सी0/बैंक एफ0डी0आर0/पोस्ट ऑफिस पास बुक के रूप में जो कि ग्राम प्रधान दिवई के पदनाम बन्धक ही मान्य होगी।

2- निविदा प्रपत्र के साथ 100.00 (एक सौ रू0) का स्टाम्प पेपर एवं रू0 1.00 का हस्ताक्षर युक्त रसीद टिकट हो, वैद्यता की शर्तो को लाना अनिवार्य है इसके बिना निविदा पर विचार नहीं किया जायेगा।

3- निविदा की शर्ते जी0पी0डब्ल्यू-08 जी0पी0डब्ल्यू-9, निविदा प्रपत्र 69/70 के अनुसार होगी, एवं निविदा की अन्य शर्तें/नियम निविदा प्रपत्र प्राप्त कर देखी जा सकती है।

4- किसी भी निविदा को स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार सक्षम अधिकारी के पास सुरक्षित होगा।

नोट - निविदा प्रपत्र क्रय करते समय ठेकेदारों को पंजीकरण प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना पड़ेगा।

ग्राम प्रधान दिवई
विकासखण्ड कल्जीखाल
जनपद पौड़ी गढ़वाल।

(1565/21)

सम्पादकीय

कूटनीतिक संबंध

मालदीव के साथ रिश्ता अब ब्रेकिंग प्वाइंट पर पहुंचता नजर आ रहा है। फिलहाल यह साफ है कि मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मोइजू ने चीन को अपनी विदेश नीति में केंद्रीय स्थान दे दिया है। ऐसा वे भारत के हितों और भावनाओं की कीमत पर कर रहे हैं। हाल की चीन यात्रा के बाद उनकी सरकार का रुख और सख्त हुआ है। नतीजतन, मालदीव ने भारत से अपने उन सैनिकों को 15 मार्च तक वापस बुला लेने को कह दिया है, जो वहां उन दो हेलीकॉप्टरों की देखरेख के लिए तैनात थे, जिन्हें भारत ने मालदीव को उपहार के रूप में दिए थे। अनुमान लगाया जा सकता है कि हाल में दोनों देशों के संबंधों में बढ़ी कड़वाहट का असर मोइजू सरकार के रुख पर पड़ा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का लक्षद्वीप दौरा, उसके बाद सोशल मीडिया पर पर्यटन के लिए मालदीव के विकल्प के रूप में लक्षद्वीप को प्रचारित करने की मुहिम, उस पर मालदीव के तीन नेताओं की मोदी के लिए अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल और फिर भारत में सोशल मीडिया पर जताए गए अनियंत्रित गुस्से ने हालात सुलगा दिए हैं।

इस बीच नई दिल्ली स्थिति मालदीव के राजदूत को भारतीय दूतावास में भी बुलाया गया था। अब यह विचारणीय है कि पास–पड़ोस के देश भारत से क्यों बिदकते जा रहे हैं? और अगर किसी देश के ऐसा करने का संकेत मिले, तो हालात को संभालने का सही रास्ता क्या है? आम समझ है कि कूटनीति एक बेहद गंभीर कार्य है, जिसका अत्यंत बारीक दायरा होता है। यह सोशल मीडिया ट्रोल्स की समझ से बाहर की बात है। इसलिए इसे पेशेवर कूटनीतिकों के दायरे में ही रखना उचित होता है। यह ठोस समझ बन चुकी है कि विदेश संबंधों और उनसे जुड़े विवादों का घरेलू राजनीति में लाभ उठाने की रणनीति देश के दीर्घकालिक हितों को क्षति पहुंचाती है। इसलिए ऐसे नजरिए पर अब पुनर्विचार की जरूरत है। कूटनीति शतरंज का एक लंबा खेल है, जिसमें हर दांव के बाद अगले दांव की संभावना बनी रहती है। अब मोइजू ने एक दांव चला है, लेकिन बात यहां से भी संभाली जा सकती है।

दो यात्राओं का फर्क

नवंबर में हुए विधानसभा चुनावों के दौरान तीन हिंदी भाषी प्रदेशों में कांग्रेस की करारी हार हुई। संभवतः तब कांग्रेस को फिर से यात्रा की याद आई। यही कारण है कि मणिपुर से शुरू हुई भारत जोड़ो न्याय यात्रा का पूरा संदर्भ बदला हुआ है।

राहुल गांधी ने जब सितंबर 2022 में कन्याकुमारी से भारत जोड़ो यात्रा शुरू की थी, तो उसे दलगत तकाजों से ऊपर बताया गया था। देश के एक बड़े जनमत ने भी उसे देश में फैली नफरत और विभाजन की भावना के बीच मरहम लगाने की एक गंभीर कोशिश के रूप में देखा। तब राहुल गांधी ने मोहब्बत की दुकान की उपमा से उस यात्रा को बड़ा संदर्भ देने की कोशिश की थी। 31 जनवरी 2023 को जब वह श्रीनगर में यात्रा समाप्त हुई, तो वहां गिरती बर्फ के बीच दिए गए राहुल गांधी के भाषण लोगों के मन को छुआ। तब लोगों ने समझा था कि एक राजनेता देश में बड़ा पैगाम फैलाने के अभियान में निकला है। लेकिन यात्रा की समाप्ति के बाद जल्द ही ये प्रभाव मद्धम पडने़ लगा। लोगों को राहुल गांधी को अभी मेकेनिक और किसान, तो कभी कुली बनते और यहां तक कि पहलवान की ऐक्टिंग करते देखने का कौतुक प्राप्त हुआ।

इस बीच कांग्रेस को कर्नाटक में जीत मिली और उसके बाद राहुल गांधी चुनावी तकाजों में सिमट गए। इस बीच जातीय जनगणना को उन्होंने अपना सेंट्रल थीम बनाया।

इस दौरान उनकी जुबान पर 1990 के दशक में प्रचलित हुए मंडलवादी मुहावरे छाये रहे। लेकिन नवंबर में हुए विधानसभा चुनावों के दौरान तीन हिंदी भाषी प्रदेशों में यह रणनीति मुंह के बल गिरी। संभवतः तब कांग्रेस को फिर से यात्रा की याद आई। चूंकि इस बीच सामाजिक न्याय पार्टी का एजेंडा बन चुका था, तो इसका नाम बदलकर भारत जोड़ो न्याय यात्रा कर दिया गया। इससे इस बार मणिपुर से शुरू हुई 67 दिन की यात्रा का पूरा संदर्भ बदल गया है।

शुरुआत में यह यात्रा ये संदेश देने में विफल रही है कि यह दलगत तकाजों से ऊपर है। इसलिए कांग्रेस से बाहर के हलकों में यह पहले जैसा आकर्षण पैदा नहीं कर पाई है। पिछली यात्रा में अनेक ऐसे सामाजिक कार्यकर्ता और गणमान्य लोग शामिल हुए थे, जो अतीत में कांग्रेस की नीतियों से असहमत रहे हैं। उससे यात्रा में चार चांद लगे। यह देखने की बात होगी कि क्या इस बार भी ऐसा हो पाता है।

बिन सत्ता के नेता कैसे रहे कांग्रेस में?

अजीत द्विवेदी

असल में कांग्रेस को एकजुट रखने और नेताओं को जोड़े रखने वाली सत्ता की गोंद सूख रही है। कांग्रेस इससे पहले कभी लगातार 10 साल तक केंद्र की सत्ता से बाहर नहीं रही और न राज्यों की सत्ता से इतने लंबे समय तक बेदखल रही है। इसका नतीजा यह हुआ है कि नेताओं का धैर्य खत्म हो रहा है। कांग्रेस को न विपक्ष में रहने की आदत है और न विपक्ष की राजनीति करने का तरीका आता है। कांग्रेस छोड़ कर तृणमूल कांग्रेस में जाने से कई साल पहले सुष्मिता देब ने एक दिन कहा था कि कांग्रेस सत्ता में रहती है या सत्ता के इंतजार में रहती है। चूंकि इस बार सत्ता का इंतजार लंबा हो गया इसलिए कांग्रेस के नेताओं का धीरज खत्म हो गया। पहले पांच साल तक तो कांग्रेस नेता सहज रूप से विपक्ष में रहे और इंतजार करते रहे कि अगली बार अपने आप सत्ता में आ जाएंगे। जब दूसरी बार भी कांग्रेस बुरी तरह से हारी तब नेताओं की उम्मीदें टूटने लगीं और वे दूसरी तरफ संभावना तलाशने लगे।

जब भी कांग्रेस का कोई नेता पार्टी छोड़ता है तो उसे नए और पुराने की बाइनरी में देखा जाता है। इसके अलावा दूसरे पहलुओं पर देखने की जहमत नहीं उठाई जाती है। पीढ़ियों के संघर्ष की बाइनरी चूंकि बहुत सुविधाजनक है इसलिए इस पहलू से देख कर मामले को हर बार रफा–दफा कर दिया जाता है। इसमें एक फायदा यह भी है कि इस पहलू से देखने पर राहुल गांधी के ऊपर निशाना साधना आसान हो जाता है, जो भारतीय जनता पार्टी की राजनीति के बहुत अनुकूल होता है। ऐसे नेता, जिनका कांग्रेस से मोहभंग नहीं हुआ है या वैचारिक–राजनीतिक कारणों से भाजपा में नहीं जाना चाहते हैं, लेकिन राहुल गांधी को पसंद नहीं करते हैं या उनको लगता है कि उनका राजनीतिक करियर राहुल की वजह से खत्म हो रहा है वे कांग्रेस की कमजोरी या किसी नेता के पार्टी छोडऩे की घटना को नए और पुराने के परिप्रेक्ष्य में व्याख्यायित करते हैं और मीडिया व सोशल मीडिया को राहुल पर हमला करने का मौका मुहैया कराते हैं।

तभी जब मिलिंद देवड़ा ने कांग्रेस छोड़ी तो निशाने पर राहुल गांधी आए। समूचा सोशल मीडिया ऐसी पोस्ट से भरा है, जिसमें राहुल पर हमला किया गया है। एक पुरानी तस्वीर शेयर की जा रही हैं, जिसमें मिलिंद देवड़ा के साथ जितिन प्रसाद, ज्योतिरादित्य सिंधिया, आरपीएन सिंह और सचिन पायलट खड़े हैं। इनमें से पायलट के अलावा बाकी चार कांग्रेस छोड़ चुके हैं। तीन अभी भाजपा के साथ हैं और मिलिंद देवड़ा भाजपा की सहयोगी शिव सेना में शामिल हुए हैं। सचिन पायलट ने भी बगावत कर ही दी थी लेकिन उनको सिंधिया की तरह कामयाबी नहीं मिली तो वे कांग्रेस में ही रह गए और अब उसी में अपनी जगह तलाश रहे हैं। कहा जा रहा है कि राहुल गांधी की गलती थी कि उन्होंने ऐसे युवराजों को आगे बढ़ाया और उन्हें केंद्र में मंत्री बनवाया। तथ्यात्मक रूप से यह सही है कि राहुल की तरह ही ये सभी युवराज थे और इनको बहुत कम उम्र में केंद्र में मंत्री बना दिया गया था। लेकिन इन तथ्यों की अभी जो व्याख्या हो रही है वह व्याख्या 2009 में नहीं हो रही थी। तब इसे राहुल गांधी का मास्टरस्ट्रोक कहा जा रहा था कि उन्होंने चुपचाप कांग्रेस के अंदर नेताओं की दूसरी लाइन तैयार कर दी। इसके लिए राहुल गांधी की तारीफ हो रही थी कि उन्होंने नए और युवा नेताओं को आगे किया है।

अलग अलग समय की कसौटी पर दोनों व्याख्याएं सही प्रतीत होंगी। लेकिन उस समय जो मास्टरस्ट्रोक था आज वह ऐतिहासिक भूल है। सर्वकालिक सही साबित होने वाले फैसले आमतौर पर राजनीति में कम होते हैं और व्यक्तियों के मामले में तो और भी कम होते हैं। बहरहाल, अगर कांग्रेस नेताओं के पार्टी छोडऩे के घटनाक्रम को नए और पुराने की बाइनरी में देखेंगे तो सवाल उठेगा कि अगर पार्टी के भीतर नए और पुराने का विवाद चल रहा है और राहुल गांधी पुराने नेताओं को किनारे कर रहे हैं तो फिर नए नेताओं के पार्टी छोडऩे की बात को कैसे जस्टिफाई करेंगे? दूसरी ओर अगर यह कहा जाता है कि पुराने नेताओं ने पार्टी पर कब्जा रखा है, जिससे नए नेताओं को अवसर नहीं मिल रहा है तो फिर पुराने नेताओं के पार्टी छोडऩे का क्या तर्क होगा? ध्यान रहे पार्टी छोडऩे वालों में अगर ज्योतिरादित्य सिंधिया, जितिन प्रसाद, आरपीएन सिंह और मिलिंद देवड़ा जैसे नए नेता हैं तो कैप्टेन अमरिंदर सिंह, गुलाम नबी आजाद, सुनील जाखड़ जैसे पुराने नेता भी हैं। इसलिए यह सिर्फ नए और पुराने का संघर्ष या पार्टी के आंतरिक मतभेद का मामला नहीं है। ये सिर्फ सतह पर दिखने वाली चीजें हैं। असली कारण कुछ और है।

असल में कांग्रेस को एकजुट रखने और नेताओं को जोड़े रखने वाली सत्ता की गोंद सूख रही है। कांग्रेस इससे पहले कभी लगातार 10 साल तक केंद्र की सत्ता से बाहर नहीं रही और न राज्यों की सत्ता से इतने लंबे समय तक बेदखल रही है। इसका नतीजा यह हुआ है कि नेताओं का धैर्य खत्म हो रहा है। कांग्रेस को न विपक्ष में रहने की आदत है और न विपक्ष की राजनीति करने का तरीका आता है। कांग्रेस छोड़ कर तृणमूल कांग्रेस में जाने से कई साल पहले सुष्मिता देब ने एक दिन कहा था कि कांग्रेस सत्ता में रहती है या सत्ता के इंतजार में रहती है। चूंकि इस बार सत्ता का इंतजार लंबा हो गया इसलिए कांग्रेस के नेताओं का धीरज खत्म हो गया। पहले पांच साल तक तो कांग्रेस नेता सहज रूप से विपक्ष में रहे और इंतजार करते रहे कि अगली बार अपने आप सत्ता में आ जाएंगे। जब दूसरी बार भी कांग्रेस बुरी तरह से हारी तब नेताओं की उम्मीदें टूटने लगीं और वे दूसरी तरफ संभावना तलाशने लगे। अभी स्थिति यह है कि लगातार तीसरे चुनाव में कांग्रेस के लिए अच्छी संभावना नहीं दिख रही है और ऊपर से हिंदी पट्टी के तीन राज्यों में कांग्रेस चुनाव हार गई। अगर वहां भी जीती होती तो कुछ हासिल होने की उम्मीद में नेताओं का पलायन रुका रह सकता था।

दूसरा अहम कारण वैचारिक क्षरण है। राहुल गांधी देश की मौजूदा राजनीति को विचारधारा की लड़ाई के तौर पर परिभाषित करते हैं। वे बार बार कहते हैं कि भाजपा और आरएसएस के खिलाफ वे विचारधारा की लड़ाई लड़ रहे हैं। वे नफरत की विचारधारा के खिलाफ मोहब्बत की दुकान लगाने की बात करते हैं। लेकिन असलियत यह है कि कांग्रेस अपना मध्यमार्ग और समावेशी राजनीति का रास्ता छोड़ कर भाजपा के बरक्स दूसरे किस्म की कट्टरपंथी राजनीति में उतर गई है। कई नेताओं ने यह बात अलग अलग तरीके से कही है कि कांग्रेस को गैर सरकारी संगठनों यानी एनजीओ की तरह या जेएनयू के छात्र संगठन की तरह राजनीति नहीं करनी चाहिए। उस तरह की राजनीति थोड़े समय के लिए युवाओं को आकर्षित तो करती है लेकिन चुनाव में सफल नहीं हो पाती है। कांग्रेस एक समय हर तरह की विचारधारा को साथ लेकर चलने वाली पार्टी थी। वह पहले भी भाजपा का विरोध करती थी लेकिन वह वैयक्तिक और एकपक्षीय नहीं था। हालांकि पहले भी विचारधारा कभी भी कांग्रेस को बांधे रखने वाली गोंद नहीं रही है, जैसा कि भाजपा और वामपंथी पार्टियों में है। फिर भी कांग्रेस में जब हर विचार के लोगों के लिए जगह थी और उनकी बात सुनी जाती थी तब फिर भी साथ चलते रहने की गुंजाइश होती थी। अब वह गुंजाइश कम होती जा रही है। हालांकि कांग्रेस से अलग होकर जो लोग भाजपा में जा रहे हैं वहां अलग विचार रखने की तो और भी गुंजाइश नहीं है लेकिन वहां सत्ता का चुम्बक है, जो उनको खींच रहा है।तीसरा कारण यह है कि कांग्रेस की अपनी राजनीति में बहुत स्पष्टता नहीं है। भाजपा पर नफरत फैलाने के आरोप लगाने और उसकी आलोचना करने के अलावा कांग्रेस की कोई स्पष्ट राजनीतिक दृष्टि नहीं दिखाई देती है।

सौ दिनों में नेतन्याहू और फेल!

श्रुति व्यास

इजराइल–हमास युद्ध को शुरु हुए सौ दिन पूरे हो गए हैं।इजराइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने 'पूर्ण विजय' तक लड़ाई जारी रखने का ऐलान किया है। वे इन तथ्यों के बावजूद यह रवैया त्यागने को तैयार नहीं हैं कि युद्ध का नतीजा अनिश्चित है औरगाजा में मौतें बढ़ रही हैं। साथ ही यह डर भी बढ़ रहा है कि लड़ाई एक व्यापक क्षेत्रीय युद्ध का स्वरुप ले सकती है।

गाजा के अधिकारियों के मुताबिक, इजरायली सेना द्वारा हमास के खिलाफ छेड़े गए युद्ध में अब तक 23,000 से अधिक फिलिस्तीनी मारे जा चुके हैं, जिनमें से अधिकांश महिलाएं और बच्चे हैं। गाजा की ज्यादातर आबादी विस्थापित हो चुकी है।दक्षिण अफ्रीका ने अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय में इजराइल पर नरसंहार का आरोप लगाते हुए प्रकरण दायर किया है। अमेरिका ने इजराइल से कहा है कि वह सैन्य अभियान को धीमा करे। कई अन्य देशों ने तुरंत युद्धविराम लागू करने की मांग की है। यहूदी–विरोधी विचारधारा जोर पकड़ रही है और यहूदियों के प्रति दुनिया की सहानुभूति घट रही है।

इस सबके बाद भी नेतन्याहू ईरान और उसके द्वारा प्रायोजित लेबनान में सक्रिय हिज़बुल्लाह और यमन में केन्द्रित हूतियों को ललकार रहे हैं। हिजबुल्लाह और हुतियों द्वारा फिलिस्तीनियों के साथ उनकी एकजुटता दिखाने के लिए की जा रही सैनिक कार्यवाहियों से बड़े टकराव का खतरा बढ़ गया है।अमेरिका भी इस टकराव में शामिल हो गया है। उसने हूतियों द्वारा व्यापारिक जहाजों पर दो दर्जन से अधिक हमलों की प्रतिक्रिया में पिछले हफ्ते यमन में हूतीयों के अड्डों पर हवाई हमले किए। इजराइल–लेबनान सीमा पर भी गोलीबारी जारी है, जिसके चलते हजारों इजरायली और लेबनानी आसपास के इलाके छोडऩे को बाध्य हो गए हैं। इजराइल ने चेतावनी दी है कि यदि इनके वापिस लौटने के लिए किए जा रहे कूटनीतिक प्रयास सफल नहीं हुए तो वह वहा भी सैनिक कार्यवाही करेगा। बीबी की धमकियों का जवाब देते हुए हिज़बुल्लाह के नेता हसन नसराल्ला ने भी धमकी दीः "आज 99 दिनों के बाद भी हम युद्ध के लिए तैयार हैं। हम युद्ध से नहीं डरते।"

इस सबसे नेतन्याहू जरा भी चिंतित नहीं हैं। वे घरेलू मोर्चे पर नाकामबियों के वावजूद अडिग हैं। वे युद्ध के घोषित लक्ष्यों झ्र हमास को तबाह करने और बंधकों को मुक्त कराने झ्र को अभी तक हासिल नहीं कर पाए हैं। और अब जनता में बीबी के प्रति नाराजगी पैदा होने लगी है, क्योंकि ज्यादातर बंधक अभी तक वापस नहीं लाए जा सके हैं। इजराइल में रविवार को, जो वहां छुट्टी का दिन नहीं होता है, बंधकों के प्रति एकजुटता दर्शाने के लिए 100 मिनिट तक विश्वविद्यालयों, कई उद्योग–धंधों, स्थानीय एवं सार्वजनिक संस्थाओं में कामकाज रोका गया। दसियों हजार इजरायली शनिवार की रात तेल अवीव में बंधकों और उनके परिवारजनों के प्रति समर्थन व्यक्त करने के लिए आयोजित एक रैली में शामिल हुए। कई प्रदर्शनकारियों ने सरकार से बाकी बंधकों की रिहाई तुरंत सुनिश्चित करने की मांग करते हुए शहरों को जोडऩे वाले मुख्य हाईवे को बंद कर दिया।

शरद पवार को रामलला के प्राण–प्रतिष्ठा का न्योता मिला, एनसीपी चीफ बोले– 22 के बाद दर्शन करूंगा

नई दिल्ली ,(एजेंसी)। 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का आयोजन किया जाना है। इस दिन मंदिर के गर्भ गृह में रामलला के मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए पीएम मोदी समेत देश के सभी बड़ी हस्तियों को निमंत्रण भेजा गया है। हालांकि, कई विपक्षी दलों के नेताओं ने न्योता मिलने का बाद भी इस कार्यक्रम में जाने से इनकार कर दिया है। इसी बीच खबर है कि एनसीपी के प्रमुख शरद पवार ने भी 22 तारीख को अयोध्या जाने से इनकार कर दिया है।

एनसीपी सुप्रीमो शरद पवार ने अयोध्या में राम लला के प्राण प्रतिष्ठा का निमंत्रण मिलने पर राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महासचिव चंपत राय को पत्र लिख आभार व्यक्त किया है। शरद पवार ने अपने पत्र में लिखा है कि 22 जनवरी को जब प्राण प्रतिष्ठा पूरी हो जाएगी, उसके बाद समय निकालकर वे सहजता से दर्शन के लिए अयोध्या आएंगे। साथ ही उन्होंने लिखा कि तब तक राम मंदिर का निर्माण कार्य भी पुरा हो जाएगा।

बीते महीने ही राम जन्मभूमि ट्रस्ट की ओर से कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, सोनिया गांधी और कांग्रेस संसदीय दल के अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी को अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा का निमंत्रण मिला था। हालांकि, कांग्रेस ने कहा कि 2019 के सुप्रीम कोर्ट के फैसले को स्वीकार करते हुए एवं लोगों की आस्था के सम्मान में निमंत्रण को ससम्मान अस्वीकार कर दिया था। वहीं, सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी कहा है कि वह 22 जनवरी के बाद अयोध्या जाएंगे।

कोहरे का कहर : दिल्ली एयरपोर्ट पर 120 उड़ानें प्रभावित, ट्रेनों के परिचालन पर भी पड़ रहा असर

नई दिल्ली ,(एजेंसी)। राजधानी दिल्ली समेत समूचा उत्तर भारत इन दिनों कोहरे की चपेट में है। इस कारण से ट्रेन और हवाई सेवाओं पर इसका बुरा प्रभाव पड़ा है। लगभग सभी ट्रेनें और फ्लाइट्स देरी से चल रही है। जानकारी के अनुसार दिल्ली अंतरारष्ट्रीय हवाईअड्डे से करीब 120 उड़ानें प्रभावित हुई हैं, जिसमें घरेलू और अंतरराष्ट्रीय फ्लाइट्स शामिल है। यात्रियों को हवाईअड्डे पर अपनी फ्लाइट्स के लिए घंटों इंतजार करना पड़ रहा है। देश के कई हिस्सों में कोहरे के कारण कई उड़ानें देरी से चल रही हैं और कुछ उड़ानें रद्द हो गई हैं।

इतना ही नहीं, घने कोहरे के कारण ट्रेन संचालन पर भी असर पड़ा है। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर कई ट्रेनें विलंब से चल रही है और पहुंच भी रही है। इसके लिए घंटों यात्रियों को इंतजार करना पड़ है। वहीं ट्रेनों के रद्द किए जाने के कारण यात्रियों को काफी परेशानी झेलनी पड़ रही है।

दिल्ली एयरपोर्ट प्रशासन ने बताया कि कोहरे की वजह से करीब 53 उड़ानों को या तो रद्द कर दिया गया है या इनका परिचालन नहीं किया जा रहा है। इसमें 21 घरेलू आगमन, 16 घरेलू प्रस्थान, 13 अंतरराष्ट्रीय प्रस्थान और 3 अंतरराष्ट्रीय आगमन शामिल हैं।

भारतीय झंडा उंचा होगा तो दुनियां में भारत का परचम लहराएगा : तोमर

मुरैना ,(एजेंसी)। मध्यप्रदेश विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि अयोध्या में प्रभु राम के मंदिर का निर्माण भारतीय संस्कृति को और अधिक सशक्त एवं विस्तृत बनाने वाला साबित होगा। आने वाले समय में भारतीय संस्कृति का झण्डा ऊंचा होगा तो अवश्य ही दुनियाभर में भारत का परचम लहराएगा।तोमर ने आज यहाँ पोरसा कस्बे की कृषि उपज मंडी प्रांगण में आयोजित सम्मान समारोह में यह बात कही।

बजट से पहले पीएम से मांग, अंतिम आहरित वेतन का 67 फीसदी हिस्सा बतौर पेंशन मिले, कर मुक्त हो ओपीएस

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार, एक फरवरी को अंतरिम बजट पेश करने की तैयारियों में जुटी है। इससे पहले केंद्रीय कर्मियों और रिटायर्ड लोगों ने भी अपनी मांगें, सरकार तक पहुंचा दी हैं। सेवारत कर्मी, पुरानी पेंशन बहाली के लिए आवाज उठा रहे हैं, तो पेंशनर्स ने भी अपनी मांगें सरकार के समक्ष रख दी हैं। 'भारत पेंशनर समाज' (बीपीएस) के महासचिव एससी महेश्वरी ने इस बाबत 12 जनवरी को प्रधानमंत्री, वित्त मंत्री और डीओपीटी मंत्री को पत्र भेजकर उनके समक्ष अपनी मांगें रख दी हैं। इनमें पुरानी पेंशन को बढ़ाने की मांग भी शामिल है।

मौजूदा समय में केंद्रीय कर्मियों को रिटायरमेंट के बाद उनके अंतिम आहरित वेतन का 50 फीसदी हिस्सा बतौर पेंशन मिलता है। इस हिस्से को 50 से बढ़ाकर 67 फीसदी करने की मांग की गई है। साथ ही ओपीएस पर कोई टैक्स भी नहीं होना चाहिए। साथ ही 'भारत पेंशनर समाज' ने पेंशन व्यवस्था में केंद्रीय वेतन आयोग (5वें सीपीसी) को सहयोग देने वाली टाटा इकोनॉमिक कंसल्टेंसी सर्विसेज

(टीईसीएस) की सिफारिशें लागू करने की मांग की है।

'भारत पेंशनर समाज' (बीपीएस) के महासचिव एससी महेश्वरी ने अपने पत्र में कहा है, नीति निर्माताओं के लिए वरिष्ठ नागरिकों की पेंशन योजना और संबंधित वित्तीय नीतियों को संशोधित करने की दिशा में सचेत कदम उठाना अनिवार्य है। ये परिवर्तन केवल संख्या और प्रतिशत के बारे में नहीं है। इनके जरिए रिटायर्ड लोगों की गरिमा को बनाए रखने, उनका आराम सुनिश्चित करने और उस पीढ़ी के योगदान को पहचानने के बारे में हैं, जिसने हमारे समाज को महत्वपूर्ण रूप से आकार दिया है। अब वह समय आ गया है, जब सरकार को ऐसे कई लोगों के अंतिम वर्षों में उनकी सुरक्षा और संतुष्टि को बेहतर बनाने के लिए ठोस कदम उठाए जाने चाहिए।

बतौर एससी महेश्वरी, आर्थिक अनिश्चितताएं अक्सर सेवानिवृत्ति के सुनहरे वर्षों पर हावी हो जाती हैं। रिटायर्ड लोगों को अपर्याप्त पेंशन से जूझना पड़ता है। इस मामले में केंद्र सरकार को तत्काल कदम उठाना चाहिए।

पांचवें केंद्रीय वेतन आयोग (5वें सीपीसी) के लिए टाटा इकोनॉमिक कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीईसीएस) ने मौजूदा पेंशन प्रणाली में कई तरह की गंभीर कमियों को उजागर किया था। इसके साथ ही डीएस नकारा बनाम भारत सरकार, के एक केस में सुप्रीम कोर्ट की एतिहासिक घोषणा में भी पेंशन प्रणाली की एक गंभीर कमी सामने आई थी। उस पर अभी तक कोई काम नहीं हो सका है। इस मुद्दे की जड़ पेंशन की घटती क्रय शक्ति में निहित है। समय के साथ, मुद्रास्फीति, भोजन और चिकित्सा देखभाल जैसी आवश्यक चीजों की बढ़ती लागत, पेंशन के मूल्य को लगातार कम कर देती है। यह घटना कई सेवानिवृत्त लोगों को वित्तीय दलदल में फंसा देती है। इससे उनके लिए उस जीवन स्तर को बनाए रखना चुनौतीपूर्ण हो जाता है, जिसके वे नियोजित होने के दौरान आदी थे।

टीईसीएस ने 5वें सीपीसी के साथ अपने परामर्श में कहा था कि एक सेवानिवृत्त व्यक्ति को अपने सेवानिवृत्ति–पूर्व के जीवन स्तर को बनाए रखने के लिए उसके अंतिम आहरित वेतन का 67 फीसदी बतौर पेंशन मिलना आवश्यक है। वर्तमान में जो पेंशन मिल रही है, वह अंतिम आहरित वेतन का केवल 50 फीसदी है। यह अंतर केवल एक आंकड़ा नहीं है। इसके माध्यम से अनगिनत वरिष्ठ नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता में एक ठोस गिरावट का पता चलता है। एक अन्य पहलू, जो इस खराब स्थिति को बढ़ा देता है, वह है पेंशन पर कराधान। यानी पेंशन पर टैक्स लगता है।

पाकिस्तान पर एक और सर्जिकल स्ट्राइक! जैश–ए–अदल के आतंकी समूह को बनाया निशाना

तेहरान, एजेंसी। भारत के पड़ोसी देश पाकिस्तान पर एक और सर्जिकल सट्राइक हो गई है। इस बार ये सर्जिकल स्ट्राइक भारत ने नहीं, बल्कि ईरान ने की है। दरअसल ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने मंगलवार को पहली बार पाकिस्तान में किसी आतंकवादी समूह के अड्डे पर बैलिस्टिक मिसाइलें और ड्रोन से हमले किए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आईआरजीसी ने पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में स्थित जैश–ए–अदल सुन्नी आतंकवादी समूह के अड्डे को निशाना बनाया। बताया जा रहा है कि जैश–ए–अदल के आतंकियों ने ईरानी सेना पर सीमा के पास हमला किया था, जिसके जवाब में ईरान ने यह कार्रवाई की है। ईरान ने दावा किया है कि इस हमले में कई आतंकी मारे गए हैं। वहीं, दूसरी ओर पाकिस्तान ने इन हमलों की निंदा करते हुए कहा कि ईरान के इस हमले में दो बच्चों की मौत हुई है साथ ही तीन बच्चियां घायल हुई हैं। हमले के बाद पाकिस्तान ने ईरान के मुख्य राजनयिक को तलब किया और हवाई क्षेत्र उल्लंघन की निंदा की। पाक विदेश मंत्री ने कहा कि हमारे हवाई क्षेत्र के उल्लंघन के गंभीर परिणाम हो सकते हैं।

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के साथ झमेली बाबा करेंगे अन्न ग्रहण, 31 वर्षों से कर रहे हैं फल का आहार

दरभंगा, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के अयोध्या में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा के साथ दरभंगा के झमेली बाबा 31 वर्षों के बाद अन्न ग्रहण करेंगे। झमेली बाबा सात दिसंबर 1992 से अब तक सिर्फ फल का आहार कर रहे हैं। भोजन में ना तो अन्न लेते हैं और ना ही नमक व मिठाई। भूख लगने पर केला, सेव, संतरा, अंगुर, मूली, गाजर आदि खाते हैं। यही कारण है कि अब लोग उन्हें फलाहारी बाबा के रूप में जानने लगे हैं। बाबरी मस्जिद के विध्वंस में शामिल झमेली बाबा सात दिसंबर 1992 को सरयुग नदी के तट पर स्नान के बाद अयोध्या में रामलला के भव्य मंदिर निर्माण के मनोकामना पूर्ण होने के लिए अन्न त्यागने का संकल्प लिया था। उनका यह मनोकामना 31 वर्षों के बाद 22 जनवरी को पूरा होने वाला है। इसे देख झमेली बाबा के अंदर खुशियों का ठिकाना नहीं है।

बाबा ने बताया कि रामलला मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा के साथ अपने कुटिया में सेंधा नमक खाकर अपने व्रत को तोड़ेंगे। इसके अगले दिन सुल्तानगंज से जल लेकर देवघर (बाबाधाम) के लिए प्रस्थान करेंगे। जहां माघी पूर्णिमा के अवसर पर 25 जनवरी को जलाभिषेक कर अन्न ग्रहण

करेंगे। छह दिसंबर 1992 को बाबरी मस्जिद के गुंबद पर पहले चढ़ने का दावा करने वाले बहादुरपुर प्रखड के खैरा निवासी वीरेंद्र कुमार बैठा उर्फ झमेली बाबा विश्व हिंदू परिषद के आह्वान पर कार सवेक के रूप में शामिल हुए थे।

उन्होंने बताया, " दरभंगा से ढाई सौ की संख्या में अयोध्या गए थे। जहां काफी मशक्कत के बाद पहुंचे। इस बीच मेरे साथ विश्व हिंदू परिषद के बिहार प्रांत के अध्यक्ष महादेव प्रसाद जायसवाल, बेलबागंज के अशोक साह, गजेंद्र चौधरी, गुदरी बाजार के शंभू साह परिसर में प्रवेश कर गए। इस बीच परिसर के किनारे में एक लोहे का पाइप मिला। जिसके सहारे विध्वंस में जुट गए। देखते ही देखते गुंबद पर चढ़ गए। सौकड़ों की संख्या शिव सैनिक भी जुटे थे। देखते ही देखते मिशन को पूरा कर लिया गया।"

बाबा ने बताया कि वहां से किसी तरह सरयुग नदी पहुंचे। जहां स्नान के बाद अयोध्या में भव्य रामलला का मंदिर निर्माण हो इसके मनोकामना के लिए अन्न त्यागने का संकल्प लिया। झमेली बाबा काफी गरीब परिवार से संबंध रखते हैं। दो भाई में बड़े दिव्यांग हैं। जिन्हें पूरी पैतृक संपत्ति सौंप दी है। स्वयं अविवाहित हैं और लहरेयासराय थानाक्षेत्र में पान की दुकान चलाकर रामभक्ति में लीन रहते हैं। उनका मनोकामना पूर्ण हो इसे लेकर झमेली बाबा प्रति पूर्णिमा और सावन माह के हर सोमवार को सुल्तानगंज से देवघर जाकर बतौर डाकबम जलाभिषेक करते हैं।

झमेली बाबा ने बताया कि अब अयोध्या की मनोकामना तो पूर्ण हो गई है, लेकिन काशी–मथूरा शेष है। यदि विहिप का आदेश होगा तो आंदोलन में निश्चित रूप से शामिल होंगे। दरभंगा प्रमंडल के आयुक्त के निजी सचिव से अवकाश प्राप्त अजीत कुमार पोद्दार भी बाबा के साथ प्रत्येक पूर्णिमा को एवं सावन में प्रत्येक सोमवार को बतौर डाकबम जलाभिषेक के लिए देवघर जाते हैं।

'एक–परिवार–एक–बच्चा' नीति चीन पर पड़ी भारी, अब देश के सामने खड़ा हो गया यह नया संकट

बीजिंग, एजेंसी। दुनिया के दूसरे सबसे अधिक आबादी वाले देश चीन के सामने अब नई चुनौती खड़ी हो गई है। दरअसल यहां साल दर साल आबादी में भारी गिरावट आ रही है, जो देश के लिए एक चिंता का बड़ा विषय बन गया है। चीनी राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो के आंकड़ों के अनुसार यहां हर साल तकरीबन 20.80 लाख आबादी कम हो रही है, जिसके चलते देश की आबादी घटकर अब 1.409 अरब रह गई है। चीनी राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो की विज्ञप्ति के अनुसार आधुनिक चीन गंभीर जनसांख्यिकीय चुनौतियों का सामना कर रहा है, जिसमें लिंग असंतुलन और बढ़ती आबादी शामिल है, जो 1970 के दशक के अंत में शुरू की गई चीन की "एक–परिवार–एक–बच्चा" नीति द्वारा लाई गई

थी, जिसके तहत शहरों में परिवारों को केवल एक बच्चा पैदा करने की अनुमति थी और गांवों में यदि पहला बच्चा लड़की हो तो दो।

ब्यूरो ने बताया कि 2013 में, बीजिंग ने इस मुद्दे को हल करने के लिए प्रतिबंधों में ढील दी, उन जोड़ों को अनुमति दी, जहां परिवार में एकमात्र बच्चा है, उन्हें दूसरा बच्चा पैदा करने की अनुमति दी गई और 2016 में सभी जोड़ों को एक से अधिक बच्चे पैदा करने की अनुमति दी गई। 2021 में, चीनी नेशनल पीपुल्स कांग्रेस की स्थाई समिति ने जनसंख्या और परिवार नियोजन पर कानून में संशोधन को मंजूरी दे दी, जिससे जोड़ों को तीन बच्चे तक पैदा करने की अनुमति मिल गई और पहले से निर्धारित सभी जुर्माने और शुल्क को समाप्त कर दिया गया।

इन उपायों से जन्म दर में उछाल नहीं आया। इसके विपरीत, चीन में जन्म दर पिछले कई वर्षों में धीरे–धीरे कम हो रही है, 2016 में 1.77 करोड़, 2017 में 1.72 करोड़, 2018 में 1.52 करोड़, 2019 में 1.46 करोड़, 2020 में 1.2 करोड़, 2021 में 1.06 करोड़ और 2022 में 95.60 लाख दर्ज की गई। चीनी नागरिक मामलों के मंत्रालय ने पहले कहा था कि चीन ने 2022 में रिकॉर्ड–कम संख्या में विवाह दर्ज किए, केवल 68.33 लाख जोड़ों ने अपने रिश्ते को औपचारिक रूप दिया, जो 37 वर्षों में सबसे कम है।

चिन्नास्वामी में रोहित शर्मा का जमकर गरजा बल्ला, तूफानी शतक ठोककर बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

नई दिल्ली। भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा का बल्ला बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी में जमकर गरजा। शुरुआती विकेट गंवाने के बाद हिटमैन और रिंकू सिंह की जोड़ी ने बल्ले से तबाही मचाते हुए 20 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 212 रन बनाए। रोहित शर्मा के बल्ले से 14 महीने बाद टी20 मैच में रनों की बरसात निकली।

पहले दो टी20 मैचों में रोहित डक पर आउट हो गए थे, जिसकी पूरी कसर उन्होंने इस मैच में निकाली और तूफानी शतक ठोककर वर्ल्ड रिकॉर्ड जमाया। रोहित शर्मा टी20आई में सबसे ज्यादा शतक जमाने वाले पहले क्रिकेटर बन गए हैं।बता दें कि रोहित ने टी20आई में 5 बार शतक जड़ा है। इस मामले में उन्होंने सूर्यकुमार यादव को भी पीछे छोड़ दिया। आइए एक नजर डालते हैं कप्तान रोहित के रिकॉर्ड्स पर जो उन्होंने अफगानिस्तान के खिलाफ तीसरे टी20 मैच में बनाए।दरअसल, भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने अफगानिस्तान के खिलाफ तीसरे टी20 मैच में शानदार शतक जड़ा। इस शतक के साथ ही उन्होंने अपने नाम वर्ल्ड रिकॉर्ड भी जोड़ लिया। वह टी20आई में सबसे ज्यादा शतक जमाने वाले पहले क्रिकेटर बन गए हैं। रोहित ने 5 बार टी20आई में शतक जड़े है। उन्होंने इस मामले में सूर्यकुमार यादव और ग्लेन मैक्सवेल को पीछे छोड़ दिया है, जिन्होंने ये कारनामा 4-4 बार किया है।

पाकिस्तान की हार से सकपकाए कप्तान शाहीन अफरीदी

नई दिल्ली। पाकिस्तान के कप्तान शाहीन अफरीदी ने न्यूजीलैंड के हाथों तीसरे व अंतिम टी20 इंटरनेशनल मैच में 45 रन से मिली शिकस्त के बाद अपने बैटर बाबर आजम की तारीफ की। बाबर आजम ने मौजूदा सीरीज में लगातार तीसरा अर्धशतक जमाया, लेकिन अपनी टीम को जीत दिलाने में नाकाम रहे। बाबर आजम ने डुनेडिन में खेले गए तीसरे टी20 इंटरनेशनल मैच में 37 गेंदों में 8 चौके व एक छक्के की मदद से 58 रन बनाए। मैच के बाद पाकिस्तान के कप्तान शाहीन अफरीदी ने कहा कि बाबर आजम टीम के लिए मैच समाप्त कर सकते थे, अगर उन्हें दूसरे छोर से समर्थन मिलता। बाबर आजम मौजूदा टी20 सीरीज में पाकिस्तान के सर्वश्रेष्ठ रन स्कोरर रहे। उन्होंने 3 पारियों मे 61.33 की औसत से 181 रन बनाए।

शाहीन अफरीदी ने क्या कहा

बाबर आजम ने साबित किया कि वो कितने बेहतर हैं और तीन मैचों में तीन सर्वश्रेष्ठ पारियां खेली। हां, वो मैच समाप्त नहीं कर सके, लेकिन इसके लिए उन्हें मदद की जरुरत थी ताकि मैच को अंत तक ले जा सकते। अगर दूसरे छोर से अच्छा बल्लेबाज उनके साथ क्रीज पर होता तो बाबर आजम शायद पाकिस्तान के लिए मैच फिनिश कर पाते।

फिन एलन का रिकॉर्ड शतक

फिन एलन के रिकॉर्ड तोड़ शतक की मदद से न्यूजीलैंड ने तीसरे टी20 इंटरनेशनल मैच में पाकिस्तान को 45 रन से मात देकर सीरीज अपने कब्जे में की। न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करके निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 224 रन बनाए।

जवाब में पाकिस्तान की टीम 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 179 रन बना सकी। फिन एलेन ने केवल 62 गेंदों में पांच चौके व 16 छक्के की मदद से 137 रन बनाए और उन्हें इस पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

दक्षिण कोरिया ने बहरीन को और जॉर्डन ने मलेशिया को हराया

दोहा , पेरिस सेंट-जर्मेन के ली कांग-इन के दो गोल की मदद से दो बार के चैंपियन दक्षिण कोरिया ने सोमवार को यहां एएफसी एशिया कप में ग्रुप ई के पहले दौर में बहरीन को 3-1 से हराया।

दक्षिण कोरिया ने 38वें मिनट में ह्वांग इन-बीओम ने गतिरोध तोड़ा, लेकिन बहरीन ने 51वें मिनट में बराबरी के लिए वापसी की, जब अब्दुल्ला अल हशश ने करीब से गोल किया।

ली कांग-इन दूसरे हाफ में चमके क्योंकि 22 वर्षीय मिडफील्डर ने क्रमशः 56वें और 68वें मिनट में गोल किया।

मैच के बाद ली ने कहा, यह सिर्फ मेरे दो गोलों के बारे में नहीं है। हमारे द्वारा किए गए सभी गोल टीम के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। मैं सिर्फ यह कहना और रेखांकित करना चाहूंगा कि यह व्यक्तिगत प्रदर्शन के बारे में नहीं है।

इसके अलावा , महमूद अल मार्डी और मौसा तमारी के दो-दो गोल की मदद से जॉर्डन ने मलेशिया को 4-0 से हराकर ग्रुप ई में बढ़त बना ली। ग्रुप डी में इराक ने इंडोनेशिया को 3-1 से हराया।

सचिन भी हुए डीपफेक का शिकार, फेक वीडियो वायरल पर लोगों को किया सतर्क

नई दिल्ली , क्रिकेट के दिग्गज सचिन तेंदुलकर भी डीपफेक का शिकार हो गए हैं। तेंदुलकर का एक डीपफेक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिसमें वह गेमिंग ऐप का प्रचार करते नजर आ रहे हैं। वीडियो में न केवल सचिन को ऐप की वकालत करते हुए दिखाया गया है, बल्कि यह भी झूठा दावा किया गया है कि उनकी बेटी सारा उस ऐप से वित्तीय लाभ उठा रही हैं।मास्टर ब्लास्टर ने तकनीक के दुरुपयोग पर अपने विचार रखने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया, और गलत सूचना के प्रसार के खिलाफ सतर्कता और तुरंत कार्रवाई का आग्रह किया। तेंदुलकर ने डीपफेक वीडियो को शेयर करते हुए एक्स पर लिखा, ये वीडियो फेक है। तकनीक के बड़े स्तर पर दुरुपयोग को देखना परेशान करने वाला है। सभी से अनुरोध है कि वे बड़ी संख्या में ऐसे वीडियो, विज्ञापनों और ऐप्स की शिकायत करें।उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों को शिकायतों के प्रति सतर्क और तुरंत कार्रवाई करने की जरूरत है। गलत सूचना और डीपफेक के बढ़ते चलन को रोकने के लिए उनकी ओर से तुरंत कार्रवाई करना बेहद महत्वपूर्ण है।

क्या है डीपफेक?

डीपफेक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल करके तैयार किया गया सिंथेटिक मीडिया का एक रूप है, जो वीडियो और ऑडियो दोनों में हेरफेर करने के लिए एक एल्गोरिदम का उपयोग करता है। यह तब चलन में आया, जब 2017 में एक उपयोगकर्ता ने हेरफेर किए गए वीडियो साझा करने के लिए एक मंच पेश किया। तब से, डीपफेक तकनीक लगातार विकसित होती रही, जो साइबर अपराधियों के लिए व्यक्तियों, कंपनियों या यहां तक कि सरकारों की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने का एक हथियार बन गई है। सोशल मीडिया, जहां सूचनाएं तेजी से फैलती हैं, डीपफेक से होने वाला संभावित नुकसान चिंताजनक है।

पिता को याद कर भावुक हुए बुमराह इंस्टाग्राम पर लिखा दिल छू लेने वाला पोस्ट

नई दिल्ली। टीम इंडिया के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की गिनती उन भारतीय क्रिकेटर्स में की जाती है, जो अपने इमोशन्स को ज्यादा जाहिर नहीं करते हैं। मैदान हो या फिर मैदान के बाहर, बुमराह के चेहरे के हाव-भाव ज्यादा नहीं बदलते हैं।

हालांकि, बूम-बूम बुमराह ने पहली बार अपने इंस्टाग्राम पर अपने पिता को याद करते हुए भावुक पोस्ट लिखा है। भारतीय फास्ट बॉलर के पोस्ट पर वाइफ संजना गणेशन ने भी दिल छू लेने वाला रिएक्शन दिया है।

पिता को याद कर भावुक हुए बुमराह

जसप्रीत बुमराह ने अपने पिता को याद करते हुए इंस्टाग्राम पर भावुक पोस्ट लिखा। बुमराह ने लिखा, "हमारी जिंदगी में आपकी कमी हमेशा महसूस होती है। जब से मैं खुद पिता बना हूं, तो मुझे इस बात का एहसास हुआ है कि मैंने अपनी लाइफ में क्या मिस किया है। हम आपको अच्छी यादों के साथ याद करते हैं, पर काश पापा आप हमारे साथ होते।"

बुमराह का यह पोस्ट सोशल मीडिया पर काफी तेजी से वायरल हो रहा है। पोस्ट पर वाइफ संजना गणेशन ने भी दिल जीत लेने वाला रिएक्शन दिया है। संजना ने लिखा, "वो आपको हर रोज देख रहे हैं।" बता दें कि बुमराह को

अफगानिस्तान के खिलाफ खेली जा रही तीन मैचों की टी-20 सीरीज के लिए आराम दिया गया है।

साउथ अफ्रीका में शानदार रहा बुमराह का प्रदर्शन

साउथ अफ्रीका दौरे पर जसप्रीत बुमराह का प्रदर्शन लाजवाब रहा था। बुमराह ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 2 मैचों में कुल 12 विकेट अपने नाम किए थे। दूसरे टेस्ट में बूम-बूम बुमराह ने गेंद से जमकर कहर बरपाया था और उन्होंने पहली इनिंग में 2 और दूसरी में 6 विकेट अपने नाम किए थे। बुमराह इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में एकबार फिर रंग जमाते हुए नजर आएंगे। पहले दो टेस्ट मैचों के लिए बुमराह को टीम में शामिल किया गया है।

जयन्त

संस्थापक

स्व.नरेन्द्र उनियाल

प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी

नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित

-सम्पादक

नागेन्द्र उनियाल

आर.एन.आई. 35469/79

फोन/फैक्स 01382-222383

मो. 8445596074, 9412081969

e-mail:

nagendra.uniyal@gmail.com